बांद्रा टर्मिनस पर मची भगदड़

9 लोग घायल ▢ दो की हालत गंभीर ▢ ट्रेन में चढ़ने की थी होड़

धीरज सिंह । मुंबई

मुंबई के बांद्रा टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर रविवार सुबह ट्रेन में चढ़ने के दौरान हुई भगदड़ में 10 लोग घायल हो गए। खबर है कि इनमें से दो की हालत गंभीर है। यह भयानक हादसा बांद्रा-गोरखपुर एक्सप्रेस की जनरल बोगी में चढ़ने के दौरान हुआ। इस ट्रेन में चढ़ने के लिए स्टेशन पर काफी भीड़ थी। बताया गया है कि जब ट्रेन आई तो उसमें चढ़ने की जल्दबाजी में वहां भगदड़ मच गई। घायलों का फिलहाल भाभा अस्पताल में इलाज चल रहा है।

ट्रेन में सारे कोच जनरल, उमड़े यात्री हो गया हादसा

दरअसल मुंबई-गोरखपुर एक्सप्रेस में सारे कोच जनरल है। इस ट्रेन में रिजर्वेशन नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में यात्रियों की भीड़ इस ट्रेन में चढ़ने के लिए उमड़ पड़ी। चूंकि मुंबई से उत्तर प्रदेश जाने वाले लोगों की संख्या काफी रहती है। ऐसे में इस बार भी वैसी ही भीड़ थी। यह ट्रेन सुबह करीब पांच बजे रवाना होने वाली थी। जब ट्रेन आई तो लोग चढ़ने की कोशिश कर रहे थे। काफी भीड़ थी। सिर पर बोझ लिए यात्रियों के बीच बोगी में चढ़ने की होड़ मची थी। वहीं बोगी में पैर रखने तक की जगह नहीं थी। तभी कुछ यात्री गेट में फंस गए और फिर भगदड़ मच गई। इसमें 10 यात्री घायल हो गए। इनमें से दो की हालत बेहद गंभीर है।

रेलवे ने नहीं की थी कोई तैयारी

जब ऐसी कोई बड़ी घटना घटती है तो रेलवे की ओर से हेल्प लाइन नंबर जारी किया जाता है या सूचना दी जाती है। हालांकि रविवार सुबह हुई इस भीषण घटना के बारे में शुरुआत में रेलवे की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई। बताया जाता है कि पश्चिम रेलवे की अनियोजित प्लानिंग के कारण स्टेशन पर काफी भीड़ रहती है। हर साल दिवाली पर बड़ी संख्या में लोग यात्रा करते हैं। उत्तर प्रदेश और दिल्ली सहित मुंबई से बाहर जाने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ी है। इसके लिए बांद्रा स्टेशन से अतिरिक्त ट्रेनें भी निकाली जाती हैं। लेकिन आरपीएफ, जीआरपी, पश्चिम रेलवे के कर्मचारियों ने इसके लिए कोई प्लानिंग नहीं की थी।

घायल यात्रियों के नाम इस प्रकार हैं

शब्बीर अब्दुल रहमान - पुरुष (40) परमेश्वर सुखधर गुप्ता - पुरुष (28) रवीन्द्र हरिह चुमा - पुरुष (30) रामसेवक रवीन्द्र प्रसाद प्रजामती - पुरुष (29) संजय तिलकराम कांगे - पुरुष (27) दिव्यांशु योगेन्द्र यादव - पुरुष (18) मोहम्मद घायल यात्रियों के नाम शरीफ शेख - पुरुष (25) इंद्रजीत साहनी - पुरुष (19) नूर मोहम्मद शेख - पुरुष (18) बताए गए हैं।

त्योहारों में रेलवे की तैयारी पर उठे सवाल?

दिवाली और छठ पूजा के मौके पर 100 से ज्यादा अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जा रही हैं। ये गाड़ियां भी अपर्याप्त होती जा रही हैं। हर साल गांव जाने वाले लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। लेकिन रेलवे इसकी योजना बनाने में विफल रहा है। रेल मंत्री पिछले तीन-चार महीने से मुंबई में हैं। वह बीजेपी नेताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं। वह राज्य में विधानसभा चुनाव का सारा काम खुद देख रहे हैं। वहीं दूसरी ओर प्रदेश के साथ देश में भी आए दिन ट्रेन हादसे और ऐसी भगदड़ मच रही है। ऐसे में देखा जा रहा है कि रेल मंत्री की ओर से इन घटनाओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। यात्रियों का कहना है कि रेलवे प्रशासन की लचर प्रबंधन के कारण यह घटना घटी है। यह भी आरोप है कि घायलों को तत्काल मदद नहीं दी गई।

संजय राउत ने मोदी सरकार पर बोला हमला

बांद्रा टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ मामले पर अब विपक्षी दल मोदी सरकार पर हमलावर है। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने कहा, 'जब से मोदी सरकार तीसरी बार सत्ता में आई है और रेल मंत्री को फिर से जिम्मेदारी दी गई है, देश में 25 से अधिक बड़ी रेल दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें 100 से अधिक लोगों की जान गई है। आप बुलेट ट्रेन, मेट्रो और हाई-स्पीड ट्रेनों की बात करते हैं और नितिन गडकरी हवा में बसें चलाने की बात करते हैं। लेकिन, जमीन पर सच्चाई क्या है? जिस तरह से यात्री घायल हुए, क्या इसके लिए रेल मंत्री ज़िम्मेदार नहीं हैं?'

महाराष्ट्र में जंगल राज : राशिद अल्वी

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि महाराष्ट्र में 'जंगल राज' है। वे कहते हैं कि डबल इंजन की सरकार में सब कुछ ठीक होगा लेकिन, लेकिन महाराष्ट्र में डबल इंजन की सरकार है। रेलवे उनके अधीन है, कानून-व्यवस्था उनके अधीन है, इसके बावजूद यात्रियों के साथ ऐसी घटनाएं हो रही हैं। रेलवे और महाराष्ट्र पर कौन भरोसा करेगा? मैं महाराष्ट्र की इस अक्षम सरकार की निंदा करता हूं।

'विकसित भारत' लक्ष्य को हासिल करने के लिए 'विकसित महाराष्ट्र' महत्वपूर्ण है : जयशंकर

नितिन तोरस्कर । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को मुंबई में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के बाद भारत की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई थी, लेकिन यदि ऐसी घटना दोबारा हुई तो अब ऐसा नहीं होगा। बता दें, महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है और मतदान 20 नवंबर को होगा तथा नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

संवाददाताओं से बात करते हुए जयशंकर ने कहा, 'मुंबई भारत और दुनिया के लिए आतंकवाद-रोधी अभियान का प्रतीक है। जब हम UNSC के सदस्य थे, तब हम आतंकवाद-रोधी समिति के अध्यक्ष थे। हमने पहली बार सुरक्षा परिषद की बैठक मुंबई के उस होटल में की थी, जहाँ आतंकवादी हमला हुआ था।'

जयशंकर ने कहा, 'लोग जानते हैं कि भारत आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ा है। हम आज आतंकवाद से लड़ने में अग्रणी हैं।' उन्होंने कहा, 'जब हम आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की बात करते हैं, तो यह स्पष्ट है कि जब कोई कुछ करता है, तो उसका जवाब दिया जाएगा। यह स्वीकार्य नहीं है कि आप दिन में सौदेबाजी कर रहे हों और रात में आतंक में लिप्त हों और मुझे दिखावा करना पड़े कि सब कुछ ठीक है। अब भारत इसे स्वीकार नहीं करेगा। यही बदलाव है।'

जयशंकर ने कहा, 'हम आतंकवाद को उजागर करेंगे और जहां हमें कार्रवाई करनी होगी, हम कार्रवाई भी करेंगे।' जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत और चीन जल्द ही लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त फिर से शुरू करेंगे, जिससे अप्रैल 2020 में सीमा गतिरोध शुरू होने से पहले की व्यवस्था बहाल होगी। जयशंकर ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि डेमचोक और देपसांग जैसे क्षेत्रों में 31 अक्टूबर, 2020 से पहले की गश्त व्यवस्था बहाल हो जाएगी। इसमें कुछ समय लगेगा।'

न्यूज ब्रीफ

हिमाचल में 700 मीटर गहरी खाई में जा गिरी कार, 5 की मौके पर ही दर्दनाक मौत

पद्धर। हिमाचल के मंडी जिला से मिली एक बड़ी खबर के अनुसार यहां की चौहारघाटी के बरधाण में एक मारुति कार के गहरी खाई में जा गिरी है। वहीं इस कार में सवार पांच युवकों की मौके पर मौत हो गई है। ये पांचों एक शादी के कार्यक्रम से घर वापस आ रहे थे। यह भयानक हादसा बीते शनिवार देर रात को हुआ। जानकारी के अनुसार कार में सवार सभी युवक मंडी जिला के धमच्याण गांव के रहने वाले थे। जो बरोट में एक शादी समारोह में गए थे। वहीं देर रात को वापस घर लौटते समय यह हादसा हो गया। हादसे के बारे में तब पता चला जब रविवार सुबह एक भेड़ पालक ने सड़क से करीब 700 मीटर नीचे खाई में गिरी हुई कार देखी। इसकी सूचना आस पास के ग्रामीणों को भी दी गई। उसके बाद पंचायत प्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंच कर घटना की सूचना टिक्कन पुलिस चौकी को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर क्षत विक्षत हाल में पड़े शवों को सड़क मार्ग तक पहुंचाने के लिए स्थानीय लोगों की मदद से रेस्कयू शुरू किया।

नवाब मलिक पर सस्पेंस बरकरार, तीसरी लिस्ट में भी नहीं आया नाम

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने अपनी तीसरी लिस्ट रविवार को जारी कर दी। इस लिस्ट से पता चला है कि महायुति में फल्टन विधानसभा सीट पर चल रहा विवाद सुलझने तो वहीं पूर्व मंत्री नवाब मलिक पर जारी असमंजस अभी भी खत्म नहीं हुआ है। एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने रविवार को चार उम्मीदवारों वाली तीसरी सूची जारी की। इसमें गेवराई से विजयसिंह पंडित, फलटन निर्वाचन क्षेत्र से सचिन पाटिल, निफाड से दिलीप काका बनकर और पारनेर निर्वाचन क्षेत्र से काशीनाथ दाते को उम्मीदवार बनाया गया है। लिस्ट जारी करने के दौरान सुनील तटकरे ने कहा कि नामांकन दाखिल करने के लिए दो दिन और बचे हैं। महायुति में अभी भी दस सीटों पर निर्णय बाकी है। जो कि जल्द ही होने की उम्मीद है। फिलहाल हम चार उम्मीदवारों की तीसरी सूची की घोषणा कर रहे हैं। इस दौरान सुनील तटकरे ने एनसीपी के विधायक तथा के वरिष्ठ नेता नवाब मलिक को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया।

शरद पवार गुट जारी की नौ उम्मीदवारों की तीसरी लिस्ट

सना मलिक के खिलाफ स्वरा भास्कर के पति को दिया टिकट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने 9 उम्मीदवारों की तीसरी लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में शरद पवार गुट ने अणुशक्ति नगर विधानसभा सीट से फहाद अहमद को अपना उम्मीदवार बनाया है। फहाद अहमद इसके पहले समाजवादी पार्टी में थे। उन्होंने अब शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में प्रवेश किया हैं। अनुशक्ति नगर से अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी से नवाब मलिक की बेटी सना मलिक चुनावी मैदान में है। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) की तीसरी लिस्ट में करंजा सीट से ज्ञायक पटणी, अणुशक्तिनगर से फहाद अहमद, हिंगणघाट से अतुल वांदिले, हिंगणा से रमेश बंग, भोसरी से अजित गव्हाणे, चिंचवड से राहुल कलाटे, माझलगांव से मोहन बाजीराव जगताप, परली से राजेसाहेब देशमुख और मोहोल से सिद्धी रमेश कदम को उम्मीदवार बनाया गया है।

क्या बोले जयंत पाटिल?

एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के नेता जयंत पाटिल ने कहा कि फहाद अहमद एक सुशिक्षित मुस्लिम युवक है और उसने देशभर में कार्यकर्ता के रूप में काम किया है। लोग चाहते हैं कि हम ऐसे नेताओं को मौका दें। वह पहले समाजवादी पार्टी में था, लेकिन हमारी एसपी से बातचीत हुई और वह हमारी पार्टी में आ गया। हमने उसे अणुशक्ति नगर निर्वाचन क्षेत्र से अपनी पार्टी से टिकट दिया। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) में शामिल होने के बाद फहाद अहमद ने कहा कि मैं पहले नेतृत्व टीम से मिलूंगा और फिर कुछ कहूंगा।

अंदर से टूट चुका है इंडिया गठबंधन?

महाराष्ट्र से यूपी तक तनातनी, सपा-कांग्रेस में होगी दुश्मनी!

अमित बृज । मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल मची हुई है। सत्ताधारी महायुति और विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी के साथ-साथ राज्य के बाकी दल भी धड़ा-धड़ कैंडिडेट्स की सूची जारी कर रहे हैं। विपक्षी गठबंधन की तरफ से सपा भी चुनाव में ताल ठोंकना चाहती थी लेकिन एमवीए ने उसकी मांगों को दरकिनार कर दिया। जिसके बाद अखिलेश यादव ने यलगार कर दी है। रविवार को मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव से जब गठबंधन में शामिल होने को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि जो हमें इग्नोर कर रहे हैं यह उनसे पूछो। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राजनीति में त्याग का कोई स्थान नहीं है। इसलिए अगर एमवीए हमारी मांग नहीं मानती है तो हम जहां मजबूत हैं वहां प्रत्याशी उतारेंगे।

महाराष्ट्र में नहीं बनी बात!

गौरतलब है कि अखिलेश यादव की छवि गठबंधन के प्रति उदार मानी जाती रही है। कई मौकों पर उन्होंने इसका उदाहरण भी पेश किया है। महाराष्ट्र में भी अखिलेश यादव ने 12 सीटों की मांग की थी लेकिन बातचीत और नेगोसिएशन के लिए तैयार थे। कहा जा रहा है कि वह पांच से छः सीटों पर मानने को तैयार थे लेकिन फिर भी बात नहीं बनी। बता दें कि जिन पांच सीटों पर सपा ने दावा ठोंक रही थी उनमें से 3 पर महाविकास अघाड़ी ने उम्मीदवार उतार दिए हैं। समाजवादी पार्टी ने भिवंडी पूर्व, मानखुर्द, धुले सिटी, भिवंडी पश्चिम और मालेगांव सेंट्रल सीट मांगी थी। शनिवार को शिवसेना UBT ने धुले सिटी से अनिल कोटे को प्रत्याशी बनाया है तो वहीं कांग्रेस ने मालेगांव सेंट्रल से एजाज बेग को मैदान में उतारा है। इसके अलावा भिवंडी वेस्ट से दयानंद मोतीराम को प्रत्याशी घोषित किया गया है।

अंदर से टूट चुका है गठबंधन?

उत्तर प्रदेश में 9 सीटों पर हो रहे विधानसभा चुनाव में सपा की तरफ से कांग्रेस को मनमुताबिक सीटें नहीं मिली हैं। महाराष्ट्र का व्यवहार उत्तर प्रदेश में भी दिखेगा। माना जा रहा कि यूपी में भी सपा ने कांग्रेस को उसके मनमुताबिक सीटें इसी वजह से नहीं दी है। राजनीतिक हल्कों में यह सवाल गूंज रहे हैं कि क्या इंडिया गठबंधन अंदर से टूट चुका है?

PM मोदी ने माना 'डिजिटल अरेस्ट' बड़ी चुनौती

'रुको, सोचो और एक्शन लो' की नीति अपनाने की अपील

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 115वें एपिसोड में लोगों को संबोधित किया। सबसे पहले तो उन्होंने बिरसा मुंडा, सरदार पटेल और स्वामी विवेकानंद की आने वाली जयंती पर महान आत्माओं को नमन किया। इसके बाद उन्होंने भारत में गेमिंग स्पेस के तेजी से विस्तार, मेड इन इंडिया और एनिमेशन को लेकर कई बातें बताईं। मन की बात में प्रधानमंत्री मोदी ने खास तौर पर खतरनाक रूप ले रहे डिजिटल अरेस्ट पर भी प्रकाश डाला और लोगों को इससे बचने के प्रयास भी बताए। वहीं डिजिटल अरेस्ट के मुद्दे पर कांग्रेस भी प्रधानमंत्री मोदी से एकमत दिखी। डिजिटल अरेस्ट जैसे फ्रॉड से बचने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने तीन स्टेप रुको, सोचो और एक्शन लो अपनाने की बात कही। इसके साथ ही राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 डायल करने की भी हिदायत दी। वहीं इस बाबत कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने रविवार को कहा कि, 'डिजिटल अरेस्ट आज एक बड़ी चुनौती बन गया है। जिस तरह से फ्रॉड हो रहे हैं उन पर सरकार और हमें पूरा ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि आम लोग इसके शिकार ना हों। अक्सर रिपोर्ट आ रही है कि लोगों को फेक कॉल आते हैं और लोग इसका शिकार हो जाते हैं।'

क्या है डिजिटल अरेस्ट?

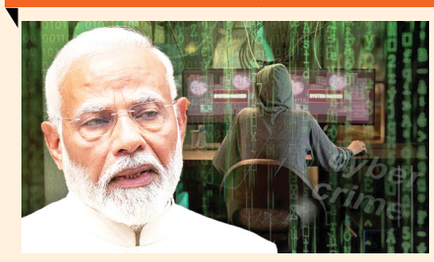

जानकारी दें कि, डिजिटल अरेस्ट दरअसल साइबर फ्रॉड का एक नया ही तरीका है। इसमें ठग पुलिस, CBI, ED, कस्टम, इनकम टैक्स या नारकोटिक्स अधिकारी बनकर किसी व्यक्ति को कॉल करते हैं और फिर उन पर या उनके करीबियों पर कुछ अवैध गतिविधियों में शामिल होने का संगीन आरोप लगाते हैं। इसके बाद यह स्कैमर इस मामले को निपटाने के लिए तुरंत अपने शिकार से वीडियो कॉल की मांग करता है और उन्हें कॉल या वीडियो कॉल पर अरेस्ट करने के लिए डराते हैं। वहीं इस वीडियो कॉल पर पीड़ित को जाली आईडी या अदालती दस्तावेज दिखाकर डराया जाता है और उन पर 'गिरफ्तारी' से बचने के लिए 'जुर्माना' देने का दबाव डाल जाता है। इस दौरान स्कैमर उस व्यक्ति से कई तरह की पर्सनल जानकारियां हासिल करते हैं और इसके जरिए उनके बैंक अकाउंट में जमा राशि को ही उड़ा देते हैं। जानकारी दें कि असल में डिजिटल अरेस्ट नाम की कोई चीज ही नहीं होती है। हां इसकी धमकियां भी पूरी तरह से फर्जी होती हैं। इसका मकसद सिर्फ पीड़ित व्यक्ति से जल्द से जल्द पैसा ठगना या निकालना होतो है और इसलिए पुलिस आदि होने का दावा कर स्कैमर्स लोगों से पैसे ठगने के लिए उन्हें इस तरह से डराते हैं।

दिल्ली में बैन के बावजूद पटाखा फोड़ने को तैयार बैठी जनता

सर्वे में हुआ खुलासा

नई दिल्ली। देश की राजधानी में पटाखों की बिक्री और उन्हें चलाना प्रतिबंधित है। वजह बढ़ते पलूशन को किसी तरह नियंत्रित करना। पटाखों की बिक्री बैन है, इसके चलते दिल्ली एनसीआर में एक सर्वे किया गया। सर्वे में शामिल लोगों से पूछा गया कि क्या आप आने वाली दिवाली पर पटाखा फोड़ेंगे तो चौकाने वाले नतीजे सामने आए। इस सर्वे में करीब 10526 लोगों ने भाग लिया।

9 फीसदी लोगों ने कहा, 'हम पटाखे जलाएंगे'

सर्वे में शामिल किए गए लोगों ने तीन तरह के जवाब दिए। एक वर्ग ने कहा कि वो पटाखे चलाएंगे, दूसरे ने ऐसा करने से कतई इंकार कर दिया। वहीं एक वर्ग ऐसा भी था जिसने पटाखों को चलाने की इच्छा प्रकट की। 55 फीसदी लोगों ने कहा कि वो पटाखे नहीं जलाएंगे, क्योंकि इससे पलूशन होता है। जबकि 19 फीसदी लोगों ने कहा कि वो पटाखे जलाना चाहेंगे। वहीं 9 फीसदी लोगों ने कहा कि हां हम पटाखे जलाएंगे। सर्वे में शामिल नौ फीसदी लोगों ने कहा कि वे पटाखे जलाएंगे और उन्हें पता है कि उन्हें कैसे और कहां से प्राप्त करना है। वहीं 8 फीसदी लोगों ने स्पष्ट जवाब नहीं दिया। सरल शब्दों में कहें तो सर्वे में शामिल दिल्ली-एनसीआर के 18 फीसदी परिवारों द्वारा इस दिवाली पटाखे जलाने की संभावना है।

कल्याण में महाविकास अघाड़ी में सीट बंटवारे को लेकर पड़ी फूट

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने में केवल दो दिन बचे हैं, सीट आवंटन को लेकर कल्याण जिला कांग्रेस में बड़ा मच गया है। कल्याण जिला कांग्रेस में 125 लोगों ने यह कहते हुए अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है कि इस साल के चुनाव में कोंकण और ठाणे जिलों से कांग्रेस को उम्मीदवारी न देकर बाहर कर दिया है।

एक दशक से भी अधिक समय से हम सब सरकार के विरोध में ईमानदारी से काम कर रहे हैं। चाहे वह पार्टी संगठन को बढ़ाने का काम हो या कोई आंदोलन हो या हालिया लोकसभा चुनाव हो, हम सभी ने ईमानदारी से काम करके महा विकास अघाड़ी के धर्म का पालन किया है।

हालांकि, इस विधानसभा चुनाव में कोंकण और ठाणे जिलों में कांग्रेस के लिए अनुकूल माहौल होने के बावजूद, कांग्रेस के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी, तो जिला अध्यक्ष सचिन पोटे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि हम सभी अपने पदों से सामूहिक रूप से इस्तीफा दे रहे हैं। इसके अलावा, नामांकन भरने के लिए अभी भी दो दिन बाकी हैं और पोटे ने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी नेताओं को कल्याण पूर्व और कल्याण पश्चिम विधानसभा क्षेत्रों के बारे में विचार करना चाहिए।

बैठक में शामिल हुए प्रमुख पदाधिकारी

इस विधानसभा चुनाव में भिवंडी को छोड़कर ठाणे जिले से कांग्रेस के पंजे उखाड़ने का काम किया गया है। इस समय पोटे ने यह भी आरोप लगाया कि कल्याण पूर्व और कल्याण पश्चिम दोनों विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस पार्टी के पूरक होने के बावजूद बिना किसी विचार-विमर्श के शिव सेना उद्धव बाला साहेब ठाकरे की पार्टी द्वारा चार निर्वाचन क्षेत्रों को पारस्परिक रूप से घोषित कर दिया गया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी साफ किया गया कि हम जल्द ही इस बात पर फैसला लेंगे कि विधानसभा चुनाव में शिव सेना के उम्मीदवार का काम करना हैं या नहीं। नामांकन फॉर्म भरने में अभी दो दिन बाकी हैं, इसलिए सचिन पोटे ने पार्टी नेताओं से इस मामले पर गंभीरता से फैसला लेने की अपील की है। इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष सचिन पोटे, महिला जिला अध्यक्ष कंचन कुलकर्णी, उपाध्यक्ष राजाभाऊ पाटकर, ब्लॉक अध्यक्ष विमल ठक्कर, क्षेत्रीय सदस्य मुन्ना तिवारी सहित कांग्रेस पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठ एवं विभाग के प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने किया पटाखों की आवाज का निरीक्षण

धर्मेंद्र उपाध्याय । ठाणे

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल व ठाणे महानगर पालिका और पुलिस की ओर से पटाखों की आवाज का निरीक्षण किया गया। दीपावली पर्व के अवसर पर बाजार में विक्री के लिए आये हुए पटाखों की ध्वनि प्रदूषण की आकांशा को लेकर शहर में स्थित रायला देवी तालाब पर पटाखों को फोड़ कर जांच किया गया। दीपावली पर्व पर नागरिक बड़े पैमाने पर आतिशबाजी कर पर्व का आनंद लेते हैं। इससे वातावरण में बड़े पैमाने पर ध्वनि प्रदूषण फैलता है। इस पर नियंत्रण रखने के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से हर साल बाजार में विक्री के लिए आये हुए पटाखों की तीव्रता की जांच की जाती है। हर साल की तरह इस साल भी पटाखों को फोड़कर उसके तीव्रता की जांच डिसेबल मशीन से किया गया। सरकार ने 125 डेसिबल से अधिक आवाज वाले पटाखों पर प्रतिबंध लगाया है। ऐसे पटाखों को फोड़ने पर ध्वनि प्रदूषण फैलता है। इन पटाखों को फोड़ते समय महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल प्रादेशिक अधिकारी आनंद काटोले, उप प्रादेशिक अधिकारी स्नेहा कांबले, ठाणे महानगर पालिका पर्यावरण विभाग विद्या सावंत, प्रदूषण मंडल स्मिता सानप, सुवर्णा जाधव, वागले इस्टेट पुलिस के एच आर भांगे, संस्था के संदेश बोरकर आदि उपस्थित थे।

नागरिक कम और ग्रीन टैग के पटाखों को फोड़कर पर्व मनाए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी आनंद कटोले ने आवाहन किया।साथ ही यह भी कहा कि 125 डिसेबल से अधिक आवाज वाले पटाखों को फ़ोडने पर पुलिस मामला दर्ज कर सकती है इसलिए इसका ध्यान रखें।दीपावली के तीन दिन पहले से ही शहर के 10 प्रमुख चौराहे पर पटाखों के आवाज की जांच डिसेबल मशीन से जांच की जाएगी।

ऑल इंडिया उलमा बोर्ड का अलर्ट

राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और वेणुगोपाल के नाम खुला पत्र

विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों की सूची में त्रुटियों को सुधारने की मांग

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

ऑल इंडिया उलमा बोर्ड ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा जारी की गई तीसरी उम्मीदवारों की सूची पर गहरी आपत्ति जताई है और तुरंत सुधार की मांग की है। बोर्ड का कहना है कि इस सूची में कई ऐसी गलतियां हैं, जो मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के राजनीतिक हितों को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

अंधेरी वेस्ट को लेकर आपत्ति

बोर्ड ने अंधेरी वेस्ट, जो एक मुस्लिम बहुल इलाका है, से सचिन सावंत को टिकट दिए जाने पर आपत्ति जताई है। सचिन सावंत ने स्वयं कहा है कि वे इस क्षेत्र से चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं हैं। बोर्ड ने मांग की है कि इस क्षेत्र से मोसिन हैदर को टिकट दिया जाए ताकि मुस्लिम समुदाय का सही प्रतिनिधि मौका पा सके।

भिवंडी वेस्ट में भी गलती

भिवंडी वेस्ट, जहां 50% से अधिक आबादी मुस्लिम है, में दयानंद मोतीराम चौरगे को टिकट दिए जाने पर भी आपत्ति दर्ज की गई है, क्योंकि वे स्थानीय नहीं हैं बल्कि क्षेत्र में उनकी पहचान भी नहीं है। बोर्ड ने सुझाव दिया है कि यहां से किसी मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट दिया जाए ताकि जनता की भावनाओं का सही प्रतिनिधित्व हो सके। यदि मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट देना संभव न हो, तो विलास पाटिल को टिकट दिया जाए ताकि क्षेत्र की बेहतर नुमाइंदगी हो सके।

बांद्रा वेस्ट के उम्मीदवार पर पुनर्विचार की मांग

बोर्ड ने बांद्रा वेस्ट के उम्मीदवार को लेकर भी आपत्ति जताई है और मांग की है कि यहां से आसिफ जकारिया की जगह आसिफ फारूकी को टिकट दिया जाए ताकि मुस्लिम बहुल क्षेत्र का प्रतिनिधित्व बेहतर ढंग से हो सके, क्योंकि आसिफ जकारिया स्वयं इस क्षेत्र से चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं हैं।

उलमा बोर्ड की चेतावनी

ऑल इंडिया उलमा बोर्ड ने कांग्रेस पार्टी को चेतावनी दी है कि यदि इन गलतियों को तुरंत नहीं सुधारा गया, तो कांग्रेस को इसका राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ेगा। बोर्ड ने कांग्रेस से अपील की है कि वह इन मांगों पर गंभीरता से विचार करे और मुस्लिम बहुल क्षेत्रों की सही प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करे।

पुलिस ने जब्त किए 120 चोरी हुए मोबाइल, असली मालिकों को लौटाए

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर पुलिस स्टेशन की सीमा में चोरी, गायब हुए 120 मोबाइल को पुलिस के द्वारा अथक परिश्रम कर जब्त किया। जब्त किए गए मोबाइल को उसके असली मालिकों को शनिवार को शहर के टाऊन हाल में पुलिस के द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन कर सुपुर्द किया गया। मोबाइल वितरण जैसे नेक कार्य को उल्हासनगर पुलिस उपायुक्त परिमंडल चार के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे तथा उल्हासनगर के सहायक पुलिस आयुक्त अमोल कोळी के हाथों सफल किया गया।

चोरी किए गए मोबाइल मिलने से पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा

पुलिस द्वारा जानकारी दी गई कि उल्हासनगर पुलिस स्टेशन के विविध पुलिस स्टेशन में दर्ज किए मोबाइल चोरी, गायब होने की शिकायत के आधार पर पुलिस द्वारा जांच कर 120 मोबाइल का पता लगाकर जब्त किया गया। जिसकी कीमत 16 लाख 75 हजार रुपए बताई गई हैं। मोबाइल वितरण कार्यक्रम में मोबाइल मालिक शिकायतकर्ता आदित्य अश्विन पांडे, सविता राजू सच्चर, शिवाजी नथू पवार, देविदास साहेबराव पाटील जैसे तमाम लोगों ने उनकी गायब, चोरी किए गए मोबाइल मिलने से पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है।

इस कार्यक्रम में शिकायतकर्ता, पुलिस मित्र, प्रतिष्ठित नागरिक, पत्रकार अन्य उपस्थित रहें। इस कार्य को सफल बनाने में ठाणे पुलिस आयुक्त डुंबरे, पुलिस सह आयुक्त चव्हाण, अपर पुलिस आयुक्त संजय जाधव के अलावा झोन चार के सचिन गोरे, सहायक पुलिस आयुक्त अमोल कोळी के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ताम्हाणे, क्राईम ब्रांच के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गोडसे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल पाटील, पुलिस सिपाही जावेद मुलानी, अविनाश चौधरी द्वारा यह साहसिक कार्य किया गया।

राज्य उत्पादन शुल्क की टीम ने 18.75 लाख की शराब जब्त की

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

राज्य उत्पादन शुल्क विभाग की ओर से छापेमारी के दौरान दादरा नगर हवेली से विक्री के लिए लाई गई 18 लाख 75 हजार रुपये की शराब को मुंब्रा बायपास पर जब्त किया। विधानसभा चुनाव को लेकर जिलाधिकारी व राज्य उत्पादन शुल्क के सहायक आयुक्त के आदेशानुसार शनिवार को मुंब्रा बायपास पर टाटा के 6 चक्के की गाड़ी से शराब आने की जानकारी उत्पादन शुल्क विभाग को मिली थी। समय पर पहुंच कर 120 शराब की बोतल को जब्त किया, जिसपर केवल विक्री के लिए दादरा नगर हवेली का परमिशन था। इस प्रकरण में सुरज इंदाराम मेघवाल व राम लाल डवरा राम (मेघवाल) को उत्पादन शुल्क की टीम ने गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दिया है।

हत्या के मामले में आरोपी को आजीवन कारावास

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

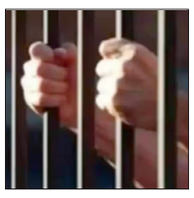

मामूली विवाद को लेकर साल 2017 में धारदार हथियार से विकास श्यामबहादुर उपाध्याय (21)नामक युवक की हत्या कापरबावड़ी पुलिस थाने के हद में घटी थी। इस जघन्य हत्या के मामले की सुनवाई न्यायाधीश सिरसीकर ने शुरू किया। न्यायालय में मिले सबूतों के आधार पर आरोपी सूरज प्रदीप जायसवाल (29) को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। साल 2017 में आरोपी सूरज प्रदीप जायसवाल ने विकास श्यामबहादुर उपाध्याय का हत्या कर दिया था। इस हत्या के प्रकरण में कापरबावड़ी पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया था। जिसकी जांच वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बारवरकर व उनकी टीम ने सारे सबूत को इकट्ठा कर न्यायालय में जमा किया। सरकारी वकील रश्मी क्षीरसागर ने आरोपी के खिलाफ सारे सबूत न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने सबूतों के आधार पर न्यायाधीश सिरसीकर ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

गुलाबी अक्टूबर

भुसावल मंडल की स्तन कैंसर जागरूकता के प्रति प्रतिबद्धता

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

हर दो मिनट में एक महिला को स्तन कैंसर का पता चलता है - महिलाओं में सबसे आम कैंसर - और हर तेरह मिनट में एक महिला इस बीमारी से जूझ रही होती है। आठ में से एक महिला को इस बीमारी का सामना करना पड़ रहा है, भुसावल मंडल ने जागरूकता बढ़ाने और समय रहते इसका पता लगाने में सहायता करने के लिए अक्टूबर को समर्पित किया। स्तन कैंसर जागरूकता माह के मद्देनजर, भुसावल मंडल ने गुलाबी अक्टूबर के बारे में जागरूकता बढ़ाने की पहल की, जिसमें महिला कर्मचारियों के स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उनका समर्थन करने के लिए कई प्रभावशाली पहल की गईं। भारतीय रेलवे में महिलाएँ कुल कर्मचारियों का 7.71% हिस्सा हैं, यानी 1.3 मिलियन कर्मचारी और अधिकारी आबादी का 11.30%। 1096 महिला कर्मचारियों वाले इस मंडल ने भुसावल, मनमाड, नासिक और आसपास के स्टेशनों पर महिलाओं को सशक्त बनाने को प्राथमिकता दी, जिससे व्यापक भागीदारी और शिक्षा सुनिश्चित हुई। हमारा जागरूकता कार्यक्रम चल रहे चौपाल सत्रों का एक अभिन्न अंग था और 26.10.24 को स्तन कैंसर जागरूकता शिविर के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 100% प्रतिभागियों ने जागरूकता में वृद्धि की रिपोर्ट की, और 307 लाभार्थियों ने स्क्रीनिंग कराई जिसमें स्तन कैंसर के निवारक, प्रोत्साहक और उपचारात्मक पहलुओं को शामिल किया गया।

मुख्य गतिविधियों में शामिल थे

स्व-परीक्षण प्रशिक्षण,
1. जोखिम मूल्यांकन,
2. परामर्श सत्र

सभी यात्रियों के बीच संदेश को दृश्य रूप से सुदृढ़ करने के लिए भुसावल डिवीजन ने प्रमुख स्टेशनों और कार्यालयों को गुलाबी रंग से रोशन किया, जिसमें डीआरएम कार्यालय भवन, भुसावल, नासिक और न्यू अमरावती - हमारे नामित गुलाबी स्टेशन - स्तन कैंसर के खिलाफ लड़ाई में एकजुटता का प्रतीक थे।

पूर्व रिपाई अध्यक्ष को मनसे से मिली उम्मीदवारी

रिपाई-भगवान भालेराव की एनसीपी के जरिए एमएनएस में एंट्री

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर में एक बार फिर सियासी जुआ खेला गया है। आरपीआई से निकाले जाने व एनसीपी से खारिज होने और फिर सीधे एमएनएस में शामिल होने के बाद रिपाई के पूर्व शहर अध्यक्ष भगवान भालेराव ने विधानसभा के लिए अपना नामांकन किया है। हालांकि, इस भूलभुलैया से बाहर आए भगवान भालेराव के प्रवेश से मनसे के वफादारों में काफी असंतोष फैल गया है और इस अप्रत्याशित मोड़ ने उल्हासनगर के राजनीतिक रंगमंच में गुस्से की चिंगारी भड़का दी है।

पिछले कुछ हफ्तों से उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा, राकांपा और मनसे से नामांकन प्राप्त करने के लिए उम्मीदवारों ने जोरदार कतार लगाई थी। भाजपा में, मौजूदा विधायक कुमार आयलानी के खिलाफ पार्टी के भीतर संघर्ष चल रहा था, जबकि कलानी परिवार और भगवान भालेराव राष्ट्रवादी शरद पवार गुट से नामांकन के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। लेकिन शनिवार को बीजेपी से मौजूदा विधायक कुमार आयलानी और एनसीपी से ओमी कलानी के नाम की घोषणा के बाद एनसीपी में भगवान भालेराव की उम्मीदवारी का रास्ता बंद हो गया। एनसीपी से निराशा मिलने के बाद भी भगवान भालेराव ने हार नहीं मानी। रविवार को उन्होंने सीधे मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे से मुलाकात की और पार्टी में शामिल हो गये। दिलचस्प बात यह है कि भगवान भालेराव को भी विधानसभा में प्रवेश करते ही नामांकन मिल गया, जिससे उल्हासनगर के राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। भालेराव की यह एंट्री मनसे के लिए एक आश्चर्य के रूप में सामने आई है। कई वर्षों से मनसे के लिए निष्ठापूर्वक काम कर रहे कार्यकर्ता इस फैसले से नाराज हैं।उल्हासनगर में विधानसभा उम्मीदवारी के प्रबल दावेदार पांच निष्ठावान कार्यकर्ताओं के नामों पर भी चर्चा हो रही है। हालांकि

भगवान भालेराव को उम्मीदवार बनाए जाने से इन कार्यकर्ताओं में नाराजगी भी है। इससे पार्टी की आंतरिक निर्णय लेने की प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं और कार्यकर्ता नाराज हैं। भगवान भालेराव की एमएनएस में एंट्री ने राजनीतिक समीकरण तो बदल दिए हैं, लेकिन साथ ही एमएनएस के लिए एक बड़ी चुनौती भी खड़ी हो गई है। एमएनएस के सामने वफादार कार्यकर्ताओं की नाराजगी दूर करने और पार्टी में एकता बनाए रखने की बड़ी चुनौती है।

इस असंतोष का आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन पर कितना असर पड़ेगा, इस पर सबकी नजर है। हालांकि भगवान भालेराव राजनीतिक खेल में सफल रहे और मनसे में शामिल होकर उम्मीदवारी हासिल कर ली, लेकिन इस फैसले से उल्हासनगर की राजनीति में तनाव का माहौल पैदा हो गया है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि वफादार कार्यकर्ताओं के बीच नाराजगी और प्रतिक्रिया आगामी चुनावों में पार्टी की सफलता को कैसे प्रभावित करती है।

मंत्री रवींद्र चव्हाण की उपस्थिति में सैकड़ों उत्तर भारतीयों ने बीजेपी में किया प्रवेश

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

राज्य के लोक निर्माण मंत्री रवींद्र चव्हाण के मिलनसार स्वभाव से प्रभावित होकर डोंबिवली शहर के पश्चिमी हिस्सों, मोठागांव और जैन कॉलोनी के सैकड़ों उत्तर भारतीय भाइयों ने रविवार को सार्वजनिक रूप से भारतीय जनता पार्टी में प्रवेश किया।लोक निर्माण मंत्री रवींद्र चव्हाण इन सभी के आग्रह पर राज्य भर में चुनाव प्रचार में व्यस्त मंत्री चव्हाण इन सभी के लिए मौजूद रहे। इस मौके पर अनिल मिश्रा, अभिषेक मिश्रा, अभिषेक सोनू, अभिषेक सिंह नवीन शर्मा, विकास प्रजापति दर्शन पाटिल सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बीजेपी में प्रवेश किया। उस समय लोकसभा प्रभारी शशिकांत कांबले, रविसिंह ठाकुर, दिनेश दुबे, मितेश पेनकर उपस्थित थे। मंत्री चव्हाण ने इस प्रवेश के संबंध में कुछ महीनों के विशेष प्रयासों के लिए रविसिंह ठाकुर, दिनेश दुबे की विशेष रूप से सराहना की। संगठन को मजबूत करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है और आए हुए सभी लोगों का स्वागत है और मार्गदर्शन किया गया कि पार्टी में एक मन से काम करके शत-प्रतिशत भाजपा ही लक्ष्य है।

दो बजे पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
दोपहर

आध्यात्मिक उपचार

निशांत के. शर्मा
न्यूमरोलॉजर, एस्ट्रोलॉजर, औरा एक्सपर्ट एंड वास्तु कंसल्टंट
मो. : 9305793058

भगवती त्रिपुर सुंदरी समृद्धि की देवी हैं! मान्यता है कि मां त्रिपुर सुंदरी आराधना करने वाला कभी निर्धन नहीं रह सकता। भगवती त्रिपुर सुंदरी का चित्र या श्रीयंत्र लगाकर प्रात:काल निम्नलिखित मंत्र का 108 बार 45 दिन तक जाप करें। देवी के चित्र या श्रीयंत्र पर लाल पुष्प चढ़ाएं।. श्रीयंत्र समृद्धि का यंत्र कहा जाता है और उसकी देवी हैं- त्रिपुर सुंदरी।

माता मानं मेयं विन्दुत्रयभिन्नबीजरूपाणि ।
धामत्रयपीठत्रयशक्तित्रयभेदभावितान्यपि च ॥
तेषु क्रमेण लिंगत्रितयं तद्वच्य मातृकाग्रितयम् ।
इत्थं त्रितयपुरी या तुरीय पीठादिभेदिनी विद्या ॥
इति कामकला विद्या देवी चक्र क्रमात्मिका सेयम् ।
विदिता येन स मुक्तो भवति महात्रिपुरसुंदरीरूप:

महाविकास अघाड़ी में शामिल दलों के लिए वोट मांगेंगी आप

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियां पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गई हैं। मंगलवार को नामांकन का आखिरी तारीख है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की ओर उम्मीदवारों के ऐलान का सिलसिला चल रहा है। इस बीच आम आदमी पार्टी ने फैसला किया है कि वो महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगी बल्कि महाविकास अघाड़ी में शामिल दलों के लिए वोट मांगेंगी। अब इस पूरे मुद्दे पर आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने खुलकर बातचीत की है।

मीडिया से बातचीत में गोपाल राय ने कहा कि निश्चित रूप से महाराष्ट्र के भीतर इंडिया गठबंधन ने आप को एक सीट पर चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया था। प्रस्ताव पर पार्टी ने काफी विचार किया और फैसला किया महाराष्ट्र में हम चुनाव नहीं लड़ेंगे और हमारे सभी कार्यकर्ता व नेता इंडिया गठबंधन के लिए प्रचार करेंगे। वहीं, अरविंद केजरीवाल कब से चुनाव प्रचार शुरू करेंगे इस सवाल पर गोपाल राय ने कहा कि वह जब बनेगा तो आपको बता देंगे।

100 के अंदर सिमटेंगे उद्धव और पवार

कल जारी होगी कांग्रेस की चौथी लिस्ट !

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारी दाखिल करने का समय समाप्त होने के करीब है। राज्य की सभी 288 सीटों के लिए उम्मीदवार सिर्फ मंगलवार तक ही नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। लेकिन, विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी (MVA) में सीटों के बंटवारे पर अभी भी रस्साकशी जारी है। हालांकि अभी तक हुई खींचतान का कांग्रेस को स्पष्ट रूप से लाभ मिला है। मविआ में कांग्रेस बड़ा भाई बनकर 100 के पार पहुंच सकती है, ऐसी संभावनाएं व्यक्त की जा रही हैं।

इसके परिणामस्वरूप शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना को 90 के आस-पास सीटों पर संतोष करना पड़ सकता है। फिलहाल कांग्रेस ने 87 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं, जबकि सोमवार की सुबह तक उसके 14 और उम्मीदवारों की चौथी व अंतिम लिस्ट आने की संभवना व्यक्त की जा रही है। यानी कांग्रेस 102 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है।

सपा के गठबंधन में शामिल होने पर भी असमंजस

इसी तरह शरद पवार की NCP ने कुल 76 (पहली सूची में 45, दूसरी में 22 और तीसरी में 9) उम्मीदवारों की घोषणा की है, जबकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने तीन सूचियों में 83 उम्मीदवारों की घोषणा की है। हालांकि इसमें भी एक दो सीटों पर मतभेद देखने को मिला है। शेष 41 सीटों पर असमंजस अभी भी बना हुआ है। इसमें सपा मविआ में शामिल रहेगी या नहीं यह पहेली भी अभी तक अनसुलझी ही है। इस बारे में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि शेष 14 उम्मीदवारों की घोषणा शाम तक की जाएगी। कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्निथला ने भी वडेट्टीवार के बयान की पुष्टि की है।

सीट बंटवारे पर गतिरोध बरकरार

मविआ में सीटों के बंटवारे पर गतिरोध रविवार की देर शाम तक भी बरकरार रहा। इससे पहले व्यक्त किया गया सियासी पंडितों का 85+85+85 के फॉर्मूले का अनुमान कोरी कल्पना साबित हुआ। अभी तक मविआ के तीन प्रमुख दलों द्वारा घोषित की गई सूची से स्पष्ट हो गया है कि मविआ में 247 सीटों पर सहमति बन गई। अभी तक कांग्रेस ने अपनी पहली सूची में 48, दूसरी में 22 और तीसरे में 18 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए है।

ठाकरे-पवार गुट हुए सरेंडर

सीटों के बंटवारे को लेकर शिवसेना उद्धव गुट के सांसद व प्रवक्त संजय राऊत ने कहा कि जहां जो पार्टी जीत सकती है, उस पार्टी के उम्मीदवार खड़े होंगे। यदि कांग्रेस ऐसे उम्मीदवार उतारकर 100 सीटों पर चुनाव लड़ रही है तो हमारे लिए चिंता की कोई बात नहीं है। ऐसे में साफ है कि महाविकास आघाड़ी में कांग्रेस 100 प्लस सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही है।

शर्मसार हुआ गुरु-शिष्य का रिश्ता

शिक्षक ने किया छात्रा के साथ दुष्कर्म

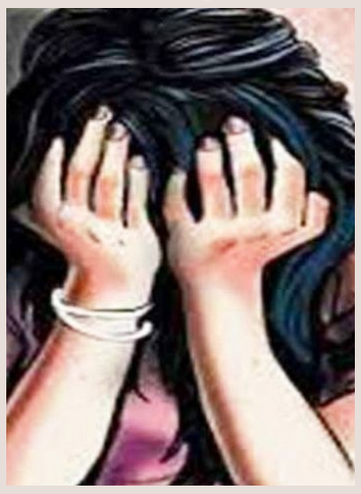

10 साल बाद आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई में 17 वर्षीय एक लड़की ने एक काउंसलिंग सत्र के दौरान खुलासा किया कि लगभग 10 साल पहले अरबी भाषा पढ़ाने वाले एक शिक्षक ने उसके साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ की थी, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पवई थाने के अधिकारी ने बताया कि 12वीं कक्षा में पढ़ने वाली पीड़िता के स्कूल की शिकायत पर बृहस्पतिवार को मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा, 'काउंसलिंग सत्र में लड़की ने बताया कि शिक्षक उसके घर अरबी भाषा पढ़ाने आता था। अगर वह अपना कार्य पूरा नहीं करती थी तो आरोपी उसे गलत तरीके से छूता था। लड़की ने बताया कि ये घटनाएं तब हुईं जब वह 6-8 साल की थी।' अधिकारी ने बताया कि मामला दर्ज होने के चार घंटे के भीतर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अनावश्यक भीड़ से बचने हेतु प्लेटफॉर्म टिकट बिक्री पर अस्थायी प्रतिबंध

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

आगामी त्योहारी सीजन के दौरान भारी भीड़ की आशंका को देखते हुए, मध्य और पश्चिम रेलवे ने मुंबई डिवीजन के चुनिंदा प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। इस कदम का उद्देश्य प्लेटफॉर्म पर भीड़ को नियंत्रित करना और स्टेशन परिसर के भीतर यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करना है।

दिवाली त्योहार और छठ पूजा के दौरान प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री पर प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से 8 नवंबर 2024 तक लागू है। निम्नलिखित स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री प्रतिबंधित है: छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस,लोकमान्य तिलक टर्मिनस,ठाणे, कल्याण, पुणे और नागपुर स्टेशन और मुंबई सेंट्रल,दादर,बांद्रा टर्मिनस,बोरीवली,वसई रोड,वापी,वलसाड,उधना,सूरत

छूट: यात्रा को आसान बनाने के लिए वरिष्ठ नागरिकों और चिकित्सा संबंधी ज़रूरत वाले लोगों को इन प्रतिबंधों से छूट दी गई है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे त्योहार के दौरान सुचारू और सुरक्षित यात्रा अनुभव के लिए तदनुसार योजना बनाएं और नए नियमों का पालन करें।

उधना - गोरखपुर के बीच एक अतिरिक्त फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उधना–गोरखपुर के बीच विशेष किराये पर एक अतिरिक्त फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है, ट्रेन संख्या 09029/09030 उधना-गोरखपुर स्पेशल [08 फेरे]

ट्रेन संख्या 09029 उधना - गोरखपुर स्पेशल रविवार, 27 अक्टूबर, 2024 को उधना से 23:20 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 04:00 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09030 गोरखपुर - उधना स्पेशल मंगलवार, 29 अक्टूबर, 2024 को गोरखपुर से 07:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13:00 बजे उधना पहुंचेगी।यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, सायन, अंकलेश्वर, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा, मनकापुर, बस्ती और खलीलाबाद स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09029 की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर तत्काल प्रभाव से शुरू हो गई है।

महाराष्ट्र चुनाव से पहले सीएम को झटका

बबनराव घोलप ने UBT में की घर वापसी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को बड़ा झटका दिया है। शिवसेना शिंदे गुट के उपनेता पूर्व विधायक बबनराव घोलप की घर वापसी हो गई है। वह एक बार फिर रविवार को शिवसेना ठाकरे गुट में शामिल हो गए। इस मौके पर पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे और युवा सेना प्रमुख आदित्य ठाकरे मौजूद थे। ठाकरे ने शिव बंधन बनाकर घोलप का शिवसेना ठाकरे समूह में स्वागत किया। लोकसभा चुनाव के दौरान बबनराव घोलप ने शिवसेना ठाकरे गुट से इस्तीफा दे दिया था और शिंदे गुट में शामिल हो गए थे। लेकिन बबनराव घोलप के बेटे योगेश घोलप को देवलाली विधानसभा क्षेत्र में शिवसेना ठाकरे समूह से उम्मीदवारी मिली।

बबनराव घोलप ने की घर वापसी

उम्मीदवार की घोषणा होते ही एक बार फिर बबनराव घोलप की भी घर वापसी हो गयी। भले ही उनके पिता बबनराव घोलप शिव सेना शिंदे गुट में शामिल हो गए थे, लेकिन योगेश घोलप शिव सेना ठाकरे गुट में थे। उन्हें शिव सेना ठाकरे गुट की ओर से उम्मीदवार घोषित किया गया है, जिसके बाद बबनराव घोलप की भी एक बार फिर से शिव सेना ठाकरे गुट में एंट्री हो गई है।

पुणे-दानापुर के बीच 2 अतिरिक्त अनारक्षित त्यौहार विशेष ट्रेनें

दिवाली/छठ पूजा त्यौहार विशेष ट्रेनों की कुल संख्या अब 583

मुंबई। दिवाली/छठ पूजा त्यौहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए मध्य रेलवे पुणे और दानापुर के बीच 2 अतिरिक्त अनारक्षित त्यौहार विशेष ट्रेनें चलाएगा। इन सेवाओं के साथ मध्य रेल द्वारा दिवाली/छठ पूजा त्यौहारों के लिए चलाई जाने वाली/योजनाबद्ध कुल ट्रेन सेवाओं की संख्या अब 583 हो गई है।

पुणे-दानापुर अनारक्षित विशेष ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है: 01419 अनारक्षित विशेष ट्रेन 28.10.2024 को पुणे से 10.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23.30 बजे दानापुर पहुंचेगी। (1 सेवा) 01420 अनारक्षित विशेष ट्रेन 29.10.2024 को 23.50 बजे दानापुर से रवाना होगी और अगले दिन 09.55 बजे पुणे पहुंचेगी। (1 सेवा)। यात्रा के दौरान ट्रेन दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, कोपरगांव, मनमाड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर और आरा स्टेशन पर ठहरेगी।

सिख श्रद्धालुओं को रेलवे की बड़ी सौगात

30 नवंबर से शुरू होगी 'गुरु कृपा यात्रा'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

सिख मतावलम्बियों की ख्वाहिश होती है कि अपने जीवन में एक बार वे 5 तख्त साहिब की यात्रा जरूर करें। ऐसे में भारतीय रेलवे ने सिख धर्म के श्रद्धालुओं को बड़ा तोहफा दिया है। सिख श्रद्धालुओं के लिए नवंबर-दिसंबर के महीने में 5 तख्त के दर्शन के लिए आईआरसीटीसी किफायती पैकेज लेकर आया है। इस पैकेज के तहत सिख श्रद्धालु अमृतसर, भटिंडा, पटना, नांदेड़ और आनंदपुर स्थित तख्तों के दर्शन कर सकेंगे। इस पैकेज के तहत यात्रियों को भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन से सफर करने का मौका मिलेगा। आईआरसीटीसी ने ट्वीट कर इस पैकेज की जानकारी दी है। यह टूर पैकेज 9 रात और 10 दिनों का होगा।

19,650 रुपए से शुरू होगा किराया

जो भी श्रद्धालु इस पैकेज का लाभ लेना चाहते हैं उन्हें इसके लिए कम से कम 19,650 रुपए खर्च करने होंगे। स्लीपर में सफर करने के लिए यात्रियों को 19,650 रुपए चुकाने होंगे। वहीं अगर थर्ड एसी का पैकेज लेते हैं तो उन्हें 28,505 रुपए प्रति व्यक्ति चार्ज देना होगा। इसके अलावा सेकेंड एसी के लिए प्रति व्यक्ति 38,770 रुपए खर्च करने होंगे।

मुंबई से शुरु होगी यात्रा

इस पैकेज के तहत यात्रा की शुरुआत मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल रेलवे स्टेशन से होगी। इस टूर पैकेज में भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन में कुल 662 बर्थ होंगी। इनमें स्लीपर के 448, थर्ड एसी के 172 और सेकेंड एसी के 42 बर्थ होंगी।

इन जगहों पर जाने का मिलेगा मौका

इस पैकेज के तहत यात्री अमृतसर स्थित श्री अकाल तख्त साहिब, भटिंडा स्थित श्री दमदमा साहिब, पटना स्थित श्री हरमंदिरजी साहिब, नांदेड़ स्थित श्री हजूर साहिब और आनंदपुर स्थित श्री केशगढ़ साहिब के दर्शन कर पाएंगे।

स्वरा भास्कर के पति फहाद, नवाब मलिक की बेटी के खिलाफ लड़ेंगे चुनाव

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज होती जा रही है. किस सीट से किस नेता को टिकट मिलेगा, इस पर घमासान जारी है. इसी बीच शरद गुट के नेता जयंत पाटिल ने कहा कि अभिनेत्री स्वरा भास्कर के पति फहाद अहमद अब हमारी पार्टी एनसीपी (एसपी) में शामिल हो गए हैं। उन्हें अजित गुट की उम्मीदवार सना मलिक के खिलाफ अणुशक्ति नगर सीट से चुनावी मैदान में उतारा गया है। अणुशक्तिनगर से शरद गुट के उम्मीदवार फहाद अहमद ने कहा कि यह लोकतंत्र है, यहां भाई-भतीजावाद नहीं चलेगा। नवाब मलिक ने निर्वाचन क्षेत्र में काम नहीं किया है।उनकी बेटी सना मलिक को अपने नाम पर चुनाव लड़ना चाहिए। फहाद ने कहा कि 29 अक्टूबर को कन्हैया कुमार, स्वरा भास्कर और अन्य लोग मेरा नामांकन दाखिल करने आएंगे। मैं सड़कों पर सोया हूं, इसलिए मुझे पता है कि यहां के लोग किस दौर से गुजर रहे हैं। बता दें कि फहाद अहमद पहले समाजवादी पार्टी में थे, उन्होंने सपा का दामन छोड़ दिया है। वह शरद गुट में शामिल हो गए हैं. वे छात्र नेता रहे हैं।

फहाद अहमद ने कहा कि समाजवादी पार्टी और एनसीपी (एसपी) की जड़ें 'समाजवाद' से जुड़ी हुई हैं. महाराष्ट्र में मौजूदा सरकार से छुटकारा पाने के लिए जनता चुनाव का इंतजार कर रही है। समाजवादी पार्टी और एनसीपी (एसपी) की तरह हैं। मुलायम सिंह यादव, शरद पवार, सुप्रिया सुले और अखिलेश यादव के बीच बहुत मजबूत संबंध हैं। फहाद ने कहा कि शरद पवार भी एक समाजवादी नेता हैं और मैं उनका आभारी हूं कि उन्होंने अखिलेश यादव से कहा है कि वे एनसीपी (एसपी) के उम्मीदवार के रूप में मेरा नाम घोषित करना चाहते हैं।

अभिनेत्री स्वरा भास्कर के पति को टिकट देने पर बवाल

दूसरी ओर, एनसीपी शरद चंद्र पवार पार्टी ने अणुशक्ति नगर से फहद अहमद की उम्मीदवारी की घोषणा की है। फहद अहमद को टिकट दिए जाने से शरद पवार की पार्टी के स्थानीय पदाधिकारी नाराज हैं। अणुशक्ति नगर के शरद पवार गुट के स्थानीय नेता नीलेश भोसले ने कहा कि वह कार्यकर्ताओं से बातचीत के बाद आगे की दिशा तय करेंगे। इसी बीच नीलेश भोसले ने बयान दिया है कि 'हममें से किसी को भी इससे बचना नहीं चाहिए था क्योंकि हमारी पत्नी हीरोइन नहीं है। अणुशक्तिनगर में शरद पवार गुट की ओर से उम्मीदवार बनाए गए फहद अहमद मशहूर अभिनेत्री स्वरा भास्कर के पति हैं। अहमद रविवार को समाजवादी पार्टी से शरद चंद्र पवार की पार्टी एनसीपी में शामिल हो गये। अहमद इससे पहले 2022 में समाजवादी पार्टी में शामिल हुए थे।

संपादकीय

ईमानदार अमल ज़रूरी

रूस के कजान में चल रही ब्रिक्स की बैठक के दौरान मिले भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई वार्ता के कई सकारात्मक बिंदु हैं, बशर्ते कि उनका ईमानदारी से पालन हो। इस वार्ता में जिन बातों को लेकर सहमति बनी है, उन पर अगर बराबरी के स्तर पर क्रियान्वयन हो तो भारत को कहीं ज्यादा फायदा होगा। पिछले 10 वर्षों में इन दो पड़ोसी मुल्कों के राष्ट्राध्यक्षों की कहने को तो 20 मुलाकातें हो चुकी हैं परन्तु दोनों के बीच स्थायी शांति के माहौल के कोई चिन्ह तक दिखाई तक नहीं देते। चीन ने भारत के लद्दाख क्षेत्र में न केवल बड़े भूभाग पर अतिक्रमण किया हुआ है बल्कि व्यापारिक तौर पर देखें तो उसे भारत से ही बड़ा मुनाफा हो रहा है। परस्पर आयात-निर्यात में बड़ा अंतर है। यानी जितनी मात्रा में चीन भारत को विभिन्न तरह की वस्तुओं का निर्यात कर रहा है, उसके मुकाबले भारत का उस देश को निर्यात बहुत कम है। हालांकि इसमें चीन इसलिये मददगार साबित नहीं हो सकता क्योंकि भारत की निर्माण एवं उत्पादन की क्षमता ही वैसी नहीं है जो चीन का मुकाबला कर सके। इन सबके बावजूद कूटनीतिक व रणनीतिक तौर पर 'लाल ड्रैगन' कहे जाने वाले देश के साथ भारत के सौहार्द्रपूर्ण सम्बन्ध समय की ज़रूरत है। उसकी विस्तारवादी नीति पर भारत अन्य देशों को साथ लेकर ही रोक लगा सकता है। इसके बावजूद मोदी-जिनपिंग वार्ता के महत्व से इंकार नहीं किया जा सकता। आबादी के मामले में दुनिया के सबसे बड़े दो देशों के बीच अच्छे और सहयोगात्मक रिश्ते दुनिया के लिये तो मायने रखें या न रखें, भारत के लिये नितांत ज़रूरी हैं। इस वार्ता में विकास को साझा लक्ष्य निरूपित किया गया है। भारत के चीन से व्यवसायिक सम्बन्ध भी अच्छे होने चाहिये ताकि दोनों देश मिल-जुलकर विकास करें। वैसे इसका सीधा सम्बन्ध दोनों देशों के बीच वास्तविक रूप से शांतिपूर्ण और विवादरहित वातावरण से है। दोनों देशों की सीमाओं पर पिछले करीब 5 वर्षों से तनातनी है। अनेक क्षेत्रों पर चीन द्वारा घुसपैठ की शिकायतें हैं। खासकर गलवान क्षेत्र में तो दावा किया जाता है कि कई किलोमीटर तक चीनी सीमाएं न केवल घुस आई हैं वरन उन्होंने भारतीय सीमा सुरक्षा बलों को गश्त लगाने से भी मना कर रखा था। अपनी विश्वगुरु की छवि बनाने तथा पीएम बनने के पहले 'चीन को लाल आंखें' दिखाने जैसे बड़बोलेपन ने मोदी को इस कदर मजबूर कर दिया था कि उन्होंने इस बात से ही इंकार कर दिया था कि चीन ने कोई घुसपैठ की है। उन्होंने संसद में यहां तक कहा कि 'न तो कोई सीमा में घुसा है, न ही घुसा था। इससे चीन का साहस इस कदर बढ़ा कि उसने अनेक भारतीय क्षेत्रों में न केवल अपनी बस्तियां बसा लीं वरन हेलीपैड तक बना डाला। इतना ही नहीं, चीन भारत के सीमावर्ती राज्य अरूणाचल प्रदेश पर भी अपना दावा पेश करता रहा है। यह अच्छी बात है कि दोनों देश अब अपनी-अपनी सेनाओं को पीछे हटाएंगे। हालांकि यह अब भी अंधेरे में है कि आखिर चीनी सीमा कितने पीछे हटेगी जो पिछले कुछ वर्षों में काफी आगे तक बढ़ आई है और यह भी साफ हो कि भारतीय सीमा कितनी पीछे हटेगी जो पहले से पीछे हटी हुई है। इस वार्ता का एक अच्छा पहलू यह भी है कि स्वयं चीनी राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि उभय देशों को संयुक्त राजनीतिक धारणा बनानी चाहिये। उन्हें सद्भावनापूर्वक विकास के लिये सही तथा सकारात्मक मार्ग खोजने चाहिये। दूसरी तरफ़ नरेन्द्र मोदी ने भी भारत-चीन सम्बन्धों को क्षेत्रीय व वैश्विक शांति तथा स्थिरता के लिये महत्वपूर्ण बताया। उनका यह कहना अहम है कि परस्पर विश्वास, एक-दूसरे के लिये सम्मान एवं संवेदनशीलता सौहार्द्रपूर्ण सम्बन्धों का आधार होंगे। इस एक दशक में कभी गर्म कभी नर्म सम्बन्धों के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यवसायिक हितों के सम्बन्ध बने हुए हैं। ये ऐसे सारे सकारात्मक बिन्दु हैं जिन पर दोनों देश यदि साथ-साथ ईमादारी से पहल करें तो दोनों ही देशों को फायदा हो सकता है। चीन चाहे भारत से आगे निकल गया हो परन्तु दोनों देशों को सीमाओं पर शांति तथा सौहार्द्र से विकास की नयी इबारत लिखी जा सकती है। भारत को एक परिपक्व कूटनीति का परिचय देते हुए तथा इतिहास को भूलकर, लेकिन बेहद सावधानी से आगे बढ़ना होगा। इसी में दोनों का हित है।

शख्सियत | इंद्रा नूयी

सरल शुरुआत से वैश्विक नेतृत्व तक का सफर

इंद्रा नूयी, जिनका जन्म 28 अक्टूबर 1955 को चेन्नई, भारत में हुआ, एक प्रतिष्ठित बिजनेसवुमन और कॉर्पोरेट जगत की सबसे प्रभावशाली हस्तियों में से एक हैं। वे अपने नेतृत्व के लिए प्रसिद्ध हैं, विशेष रूप से पेप्सिको में, जहाँ उन्होंने 2006 से 2018 तक सीईओ और चेयरमैन के रूप में कार्य किया। नूयी का सफर, एक साधारण पृष्ठभूमि से लेकर वैश्विक नेतृत्व तक पहुँचना, उनके संकल्प, बुद्धिमता और दूरदर्शिता का परिचायक है।

मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज से स्नातक और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोलकाता से एमबीए करने के बाद, नूयी उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका चली गईं। वहाँ उन्होंने येल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से पब्लिक और प्राइवेट मैनेजमेंट में मास्टर की डिग्री प्राप्त की। अमेरिका में अपने करियर की शुरुआत उन्होंने मोटोरोल और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप जैसी बड़ी कंपनियों में की, और फिर 1994 में पेप्सिको से जुड़ीं।

नूयी के नेतृत्व में, पेप्सिको ने अत्यधिक विकास और विविधीकरण का अनुभव किया। उन्होंने ₹परफॉर्मेंस विद पर्पसर विजन को आगे बढ़ाया, जिसमें उन्होंने लाभ और स्थिरता के बीच संतुलन बनाते हुए हेल्दी उत्पादों की ओर कदम बढ़ाए। इस पहल के तहत पेप्सिको ने ट्रॉपिकाना को अधिग्रहित किया और क्वेकर ओट्स के साथ मर्ज किया, जिससे गेटोरेड जैसे ब्रांड पेप्सिको के अंतर्गत आ गए।

हालाँकि नूयी के स्वास्थ्य-केंद्रित दृष्टिकोण को लेकर कुछ विरोध भी हुआ, लेकिन उन्होंने दीर्घकालिक लाभों के लिए अपनी रणनीति पर कायम रहीं। उनका नेतृत्व सहानुभूति, दृढ़ता और नवाचार के प्रति समर्पण से परिपूर्ण था, जिससे वे फॉर्च्यून 500 कंपनी का नेतृत्व करने वाली कुछ महिलाओं में से एक बनीं, और महिलाओं में भी रंगभेद से ऊपर उठकर ये उपलब्धि हासिल की। नूयी ने महिलाओं के नेतृत्व के समर्थन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है और कार्यस्थल में विविधता व समावेशन की वकालत की है। उन्हें कई पुरस्कारों से नवाजा गया है और फ़ोर्ब्स द्वारा दुनिया की सबसे प्रभावशाली महिलाओं में लगातार शामिल किया गया है। इंद्रा नूयी की कहानी व्यक्तिगत उपलब्धियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि ये एक ऐसे नेतृत्व का उदाहरण है जिसने उद्योगों को बदलने और भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने का कार्य किया।

गंभीर रोगों के इलाज में मददगार शोध को सम्मान

माइक्रो आरएनए की खोज और ट्रांसक्रिप्शन के बाद जीन एक्प्रेशन को रेगुलेट करने में उनकी भूमिका के लिए अमेरिका के दो विज्ञानियों विक्टर एंब्रोस और गैरी रुवकुन को संयुक्त रूप से साल 2024 का चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार मिलेगा। नोबेल असेंबली ने कहा कि उनकी खोज जीवों के विकास और कार्य करने के तरीके के लिए मौलिक रूप से महत्वपूर्ण साबित हो रही है। माइक्रो आरएनए जेनेटिक मैटेरियल आरएनए का सूक्ष्म हिस्सा होता है जो कोशिका के स्तर पर जीन की कार्यप्रणाली को बदलने देता है। माइक्रो आरएनए की जीन की गतिविधि को नियंत्रित करने और जीवों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। दोनों विज्ञानियों की खोज ने जीन को नियंत्रित करने के नए सिद्धांत के बारे में बताया है। उनके शोध से यह समझने में मदद मिली कि शरीर में कोशिकाएं कैसे काम करती हैं। एंब्रोस ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में माइक्रो आरएनए को लेकर शोध किया। वह यूनिवर्सिटी आफ मैसाचुसेट्स मेडिकल स्कूल में नेचुरल साइंस के प्रोफेसर हैं, जबकि रुवकुन ने यह शोध मैसाचुसेट्स जनरल हास्पिटल और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में किया। पिछले साल कैटालिन कारिको और ड्रू वीसमैन को चिकित्सा का नोबेल दिया गया था। इन्हें न्यूक्लियोसाइड बेस संशोधनों से संबंधित उनकी खोजों के लिए यह सम्मान दिया गया था। इस खोज की वजह से कोरोनावायरस के खिलाफ प्रभावी एमआरएनए टीकों के विकास में मदद मिली थी।

नोबेल दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है, जिसके तहत विजेताओं को एक स्वर्ण पदक, प्रमाणपत्र और करीब एक करोड़ स्वीडिश क्रोना यानी करीब 8.3 करोड़ रुपए की राशि दी जाती है।

माइक्रो आरएनए एक छोटा अणु है जो जीन गतिविधि को रेगुलेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भले ही हमारे शरीर की सभी कोशिकाओं में एक जैसे जीन होते हैं, लेकिन विभिन्न प्रकार की कोशिकाएं, जैसे मांसपेशी और तंत्रिका कोशिकाएं, अलग-अलग कार्य करती हैं। यह जीन रेगुलेशन के कारण संभव है, जो कोशिकाओं को केवल उन जीनों को 'चालू' करने की अनुमति देता है जिनकी उन्हें आवश्यकता होती है। यह खोज जीवों के विकास और कार्य करने के तरीके को समझने के लिए मौलिक रूप से महत्वपूर्ण साबित हो रही है। माइक्रो आरएनए को लेकर एम्ब्रोस और रुवकुन की खोज ने इस विनियमन के होने का एक नया तरीका बताया है।

अमेरिकी विज्ञानी विक्टर एंब्रोस ने 1993 में पहला माइक्रो आरएनए खोजा था। जीवविज्ञानी गैरी ब्रूस रुवकुन ने दूसरे माइक्रो आरएनए एलईटी-7 की खोज की थी। उन्होंने पता लगाया कि विक्टर एंब्रोस द्वारा

पहचाना गया पहला माइक्रो आरएनए लिन-4 आरएनए को कैसे नियंत्रित करता है। हमारे शरीर की हर कोशिका में लगभग 20,000 जीन होते हैं। ये जीन, प्रोटीन बनाने के लिए आवश्यक निर्देशों को एनकोड करते हैं। प्रोटीन हमारे शरीर के लिए बिल्डिंग ब्लॉक्स जैसे होते हैं। लेकिन हर कोशिका के काम करने का तरीका अलग होता है। जैसे मांसपेशी कोशिका और तंत्रिका कोशिका अलग-अलग काम करती हैं। इसलिए हर कोशिका को अलग तरह के प्रोटीन की जरूरत होती है। मतलब, हर कोशिका में कुछ खास जीन ही काम करते हैं। ये जीन, कोशिका के आसपास के वातावरण अनुसार बदलते रहते हैं।

जब कोई जीन काम करना शुरू करता है, तो उस जीन से एक नया अणु बनता है जिसे मैसेंजर आरएनए कहते हैं। यह आरएनए प्रोटीन बनाने के लिए कोशिका के एक हिस्से में जाता है। बहुत समय तक वैज्ञानिकों

डॉ. शशांक द्विवेदी

का मानना था कि जीन की गतिविधि मुख्य रूप से डीएनए से जुड़ने वाले विशेष प्रोटीन द्वारा नियमित होती है, जिन्हें ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर कहा जाता है। लेकिन विक्टर एंब्रोस और गैरी रुवकुन ने एक नई खोज की व पाया कि माइक्रो आरएनए नाम के बहुत छोटे अणु भी इस काम में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जब ये दोनों वैज्ञानिक 1993 में एक सीरीज में लगातार लैब में प्रयोग कर रहे थे, तब इन्होंने एक छोटे से कीड़े, सी. एलिगेंस में, एक विशेष प्रकार के मोलिक्युल की खोज की। इस मोलिक्युल को उन्होंने लिन-4 नाम दिया। बाद में यही मोलिक्युल माइक्रो आरएनए कहलाया। इसी तरह साल 2000 में वैज्ञानिकों ने एक और माइक्रो आरएनए लेट-7 की खोज की। यह माइक्रो आरएनए न केवल सी. एलिगेंस में बल्कि सभी जानवरों में पाया जाता है। अब तक एक हजार से ज्यादा माइक्रो आरएनए खोजे जा चुके हैं।

इंपीरियल कालेज लंदन में मोलिक्युलर आंकोलाजी की लेक्चरर डॉ. क्लेयर फ्लेचर के अनुसार, इस शोध ने कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज के लिए विज्ञानियों के रास्ते खोल दिए हैं। माइक्रो आरएनए कोशिकाओं को नए प्रोटीन बनाने के लिए जेनेटिक निर्देश देता है। यह रोगों के उपचार के लिए दवाओं के विकास और बायोमार्कर के रूप में उपयोगी हो सकता है। त्वचा कैंसर के इलाज में माइक्रो आरएनए तकनीक किस तरह से मददगार हो सकती है, इस पर क्लीनिकल परीक्षण जारी हैं। गुणसूत्रों में मौजूद जानकारी हमारे शरीर की सभी कोशिकाओं के लिए निर्देश पुस्तिका की तरह है। हर कोशिका में एक जैसे गुणसूत्र होते हैं, इसलिए उन सभी के पास निर्देशों का एक ही सेट होता है। लेकिन मांसपेशी और तंत्रिका कोशिकाओं जैसी विभिन्न प्रकार की कोशिकाएं एक-दूसरे से बहुत अलग होती हैं। यह मनुष्यों सहित दूसरे जीवों के लिए बेहद मायने रखता है। मानव शरीर में एक हजार से ज्यादा माइक्रो आरएनए होते हैं। ऐसे में उनकी खोज ने हमें जीवों के बढ़ने और काम करने के तरीके के बारे में एक नया पहलू समझने में मदद की है। 1901 के बाद से चिकित्सा के क्षेत्र में दिया जाने वाला यह 115वां नोबेल पुरस्कार है।

जीवन मंत्र

डेली लाइफ में ना करें इस तरह का व्यवहार

आजकल के बेसिक एटिकेट में फोन से जुड़े कई सारे मैनर हैं। जिनके बारे में आपको माइंडफुल होना चाहिए। जैसे कि किसी ने अपनी फोटो दिखाने के लिए आपको फोन दिया तो स्क्रॉल करके नेक्स्ट फोटो पर जाना शिष्टाचार नही हैं।

इंसान सामाजिक प्राणी है तो उसे एक दूसरे के साथ मिलजुल कर रहना होता है। इसके साथ ही कुछ बेसिक शिष्टाचार यानी एटिकेट के बारे में भी जानकारी जरूर रखनी चाहिए। तभी आप लोगों के बीच अपनी अच्छी इमेज बना सकते हैं।

अगर आप उन लोगों में शामिल है जिसे देखकर लोग भागना शुरू कर देते हैं। तो गौर करें कहीं आप रोजाना के व्यवहार में इस तरह की गलतियां तो नहीं करते। जिनके बारे में आपको जरूर जानना चाहिए और सुधार लाने की कोशिश करनी चाहिए।

दूसरों की कमियां बताना

अगर आप सामने वाले के बिल्कुल खास दोस्त नहीं हैं और केवल कैजुअल रिलेशिनशिप रखते हैं तो बात करने के दौरान ध्यान रखना चाहिए कि आप उसकी कमियों को ना गिनाएं। या सीधे तौर पर उसकी कमियों को ना कहें। किसी से डायरेक्ट ऐसा कहना शिष्टाचार में नहीं गिना जाता।

फोन मैनर

आजकल के बेसिक एटिकेट में फोन से जुड़े कई सारे मैनर हैं। जिनके बारे में आपको माइंडफुल होना चाहिए। जैसे कि किसी ने अपनी फोटो दिखाने के लिए आपको फोन दिया तो स्क्रॉल करके नेक्स्ट फोटो पर जाना शिष्टाचार नही हैं। अगर आपको दूसरी फोटोज देखनी है तो सबसे पहले उससे पूछें और उसके बाद ही स्क्रॉल करें।

अगर आपके प्रेजेंस में सामने वाला इंसान किसी का फोन अटेंड कर रहा है तो कॉल खत्म होने के बाद उससे डिटेल ना मांगे जैसे कि किसका फोन था, क्या हुआ जैसी चीजों को बोलने से बचे। जब तक कि वो खुद ना बताए कि वो फोन पर किससे बात कर रहा था।

दूसरों के फोन में झांकना अशिष्टता में गिना जाता है और ये उसकी प्राइवेसी पर हमला है।

गॉसिप से बचें

अगर आपकी आदत लोगों की बातों में कुछ बातें जोड़कर दूसरों से शेयर करने की है। तो इस आदत को फौरन बंद कर दें। गॉसिप करने और दूसरों के बारे में ज्यादा बात करने की आदत की वजह से अक्सर लोग दूर हो जाते हैं।

जीवन ऊर्जा | सिस्टर निवेदिता : जन्म- 28 अक्टूबर 1867 | जन्म

ज्ञान और प्रेम सबसे मूल्यवान संपत्ति हैं

सिस्टर निवेदिता, जिनका असली नाम मार्गरेट एलिजाबेथ नोबल था, एक आयरिश शिक्षिका और समाजसेविका थीं। स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा से भारत आईं, उन्होंने भारतीय समाज सुधार, महिला सशक्तिकरण, और शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सिस्टर निवेदिता का जन्म 28 अक्टूबर 1867 को आयरलैंड में हुआ था।

जीवन का उद्देश्य सेवा करना और दूसरों की मदद करना है। सच्ची निष्ठा वही है, जो खुद को किसी उच्च उद्देश्य के लिए अर्पित कर दे। समर्पण वही होता है जो पूरे मन से किया जाए, आधे मन से की गई सेवा में निष्ठा नहीं होती।

सत्य को पहचानने के लिए पहले खुद को पहचानना जरूरी है। जो दूसरों की मदद करते हैं, वे ही सच्चे मानव कहलाते हैं। ज्ञान ही एकमात्र ऐसा मार्ग है जो आत्मा को मुक्त करता है।

भारत की सेवा ही मेरी साधना है। हमारी सबसे बड़ी ताकत दूसरों के प्रति हमारी दया और सहानुभूति है। हमेशा एक उद्देश्य रखें, भटकाव से बचें। सच्ची भक्ति वही है जो बिना स्वार्थ के की जाए। अपने जीवन को महान उद्देश्य के लिए समर्पित

करें। हर व्यक्ति में दिव्यता होती है, उसे पहचानना ही सच्चा ज्ञान है। संघर्ष ही जीवन का सार है, इससे भागना नहीं बल्कि इसे अपनाना चाहिए। ईश्वर हर जगह है, हर व्यक्ति में है। जो कार्य बिना स्वार्थ के किया जाए, वही महान कार्य होता है। जीवन का असली मूल्य दूसरों के लिए किए गए कार्यों में है। हर कठिनाई एक अवसर है, इसे पहचानें। अध्यात्म का मतलब सिर्फ पूजा नहीं, बल्कि दूसरों की सेवा भी है।

जो देश की सेवा करता है, वही सच्चा देशभक्त है। प्रत्येक व्यक्ति को एक उद्देश्य के साथ जीना चाहिए, बिना उद्देश्य जीवन अधूरा है। ज्ञान और प्रेम सबसे मूल्यवान संपत्ति हैं, इन्हें बांटना ही सच्ची संपन्नता है। सच्चा ज्ञान वही है जो दूसरों की सेवा में लगाया जाए। असली बलिदान वह है, जो अपने हित को छोड़कर दूसरों के लिए किया जाए। प्रेम ही वह शक्ति है जो सबको जोड़ती है। समाज की सेवा में ही मनुष्य की सच्ची भक्ति है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

त्रिकालदर्शी थे महर्षि मतंग

(भाग 1)

शबरी को आश्रम सौंपकर महर्षि मतंग जब देवलोक जाने लगे, तब शबरी भी साथ जाने की जिद करने लगी। शबरी की उम्र दस वर्ष थी। वो महर्षि मतंग का हाथ पकड़ रोने लगी। महर्षि शबरी को रोते देख व्याकुल हो उठे। शबरी को समझाया पुत्री इस आश्रम में भगवान आएंगे, तुम यहीं प्रतीक्षा करो। अबोध शबरी इतना अवश्य जानती थी कि गुरु का वाक्य सत्य होकर रहेगा, उसने फिर पूछा- कब आएंगे? महर्षि मतंग त्रिकालदर्शी थे। वे भूत भविष्य सब जानते थे, वे ब्रह्मर्षि थे। महर्षि शबरी के आगे घुटनों के बल बैठ गए और शबरी को नमन किया।

आस पास उपस्थित सभी ऋषिगण असमंजस में डूब गए। ये उलट कैसे हुआ। गुरु यहां शिष्य को नमन करे, ये कैसे हुआ? महर्षि के तेज के आगे कोई बोल न सका।

महर्षि मतंग बोले- पुत्री अभी उनका जन्म नहीं हुआ। अभी दशरथ जी का लग्न भी नहीं हुआ। उनका कौशल्या से विवाह होगा। फिर भगवान की लम्बी प्रतीक्षा होगी। फिर दशरथ जी का विवाह सुमित्रा

से होगा। फिर प्रतीक्षा.. फिर उनका विवाह कैकई से होगा। फिर प्रतीक्षा..फिर वो जन्म लेंगे, फिर उनका विवाह माता जानकी से होगा। फिर उन्हें 14 वर्ष वनवास होगा और फिर वनवास के आखिरी वर्ष माता जानकी का हरण होगा। तब उनकी खोज में वे यहां आएंगे। तुम उन्हें कहना आप सुग्रीव से मित्रता कीजिये। उसे आतताई बाली के संताप से मुक्त कीजिये, आपका अभीष्ट सिद्ध होगा और आप रावण पर अवश्य विजय प्राप्त करेंगे।

शबरी एक क्षण किंकर्तव्यविमूढ़ हो गई। अबोध शबरी इतनी लंबी प्रतीक्षा के समय को माप भी नहीं पाई।

वह फिर अधीर होकर पूछने लगी- इतनी लम्बी प्रतीक्षा कैसे पूरी होगी गुरुदेव?

महर्षि मतंग बोले- वे ईश्वर है, अवश्य ही आएंगे। यह भावी निश्चित है। लेकिन यदि उनकी इच्छा हुई तो काल दर्शन के इस विज्ञान को परे रखकर वे कभी भी आ सकते है। लेकिन आएंगे अवश्य...!

जन्म मरण से परे उन्हें जब जरूरत हुई तो प्रह्लाद के लिए खम्बे से भी निकल आये थे। इसलिए प्रतीक्षा करना। वे कभी भी आ सकते है। तीनों काल तुम्हारे गुरु के रूप में मुझे याद रखेंगे। शायद यही मेरे तप का फल है।

शबरी गुरु के आदेश को मान वहीं आश्रम में रुक गई। उसे हर दिन प्रभु श्रीराम की प्रतीक्षा रहती थी। वह जानती थी समय का चक्र उनकी उंगली पर नाचता है, वे कभी भी आ सकतें है। हर रोज रास्ते में फूल बिछाती है और हर क्षण प्रतीक्षा करती। कभी भी आ सकतें हैं।

हर तरफ फूल बिछाकर हर क्षण प्रतीक्षा। शबरी बूढ़ी हो गई, लेकिन प्रतीक्षा उसी अबोध चित्त से करती रही और एक दिन उसके बिछाए फूलों पर प्रभु श्रीराम के चरण पड़े। शबरी का कंठ अवरुद्ध हो गया। आंखों से अश्रुओं की धारा फूट पड़ी। गुरु का कथन सत्य हुआ। भगवान उसके घर आ गए। शबरी की प्रतीक्षा का फल ये रहा कि जिन राम को कभी तीनों माताओं ने जूठा नहीं खिलाया, उन्हीं राम ने शबरी का जूठा खाया। ऐसे पतित पावन मर्यादा, पुरुषोत्तम, दीन हितकारी श्री राम जी की जय हो। जय हो। जय हो। एकटक देर तक उस सुपुरुष को निहारते रहने के बाद वृद्धा भीलनी के मुंह से स्वर/बोल फूटे- कहो राम ! शबरी की कुटिया को ढूंढ़ने में अधिक कष्ट तो नहीं हुआ..?

(क्रमशः)

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

काम लेने का तरीका

एक खेत में कुछ मजदूर काम कर रहे थे। एक गहनता काम करने के बाद वे बैठकर आपस में गप्पें मारने लगे। यह देखकर खेत के मालिक ने उनसे कुछ नहीं कहा। उसने खुरपी उठायी और खुद काम

में जुट गया। मालिक को काम करता देख मजदूर शर्म के मारे तुरंत काम में जुट गए। दोपहर में मालिक मजदूरों के पास जाकर बोला, भाइयों! अब काम बंद कर दो। भोजन कर के आराम कर लो। काम बाद में होगा। मजदूर खाना खाने चले गए। थोड़ा आराम करके वे शीघ्र ही फिर काम पर लौट आये। शाम को छुट्टी के समय पड़ोसी खेत वाले ने उस खेत के मालिक से पूछा, भाई! तुम मजदूरों को छुट्टी भी देते हो। उन्हें डांटते भी नहीं हो। फिर भी तुम्हारे खेत का काम मेरे खेत से दोगुना कैसे हो गया। जबकि मैं लगातार अपने मजदूरों पर नजर रखता हूँ । डांटता भी हूँ और छुट्टी भी नहीं देता।

तब पहले खेत के मालिक ने बताया, भैया! मैं काम लेने के लिए सख्ती से अधिक स्नेह और सहानुभूति को प्राथमिकता देता हूँ। इसलिए मजदूर पूरा मन लगाकर काम करते हैं। इससे काम ज्यादा भी होता है और अच्छा भी।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

न्यूज़ ब्रीफ

बाहुबली शहाबुद्दीन की पत्नी और बेटा ओसामा RJD में शामिल

पटना। बिहार के बाहुबली और राष्ट्रीय जनता दल के टिकट पर सिवान के सांसद रह चुके मोहम्मद शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब तथा बेटे ओसामा शहाब ने रविवार को पुनः राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की सदस्यता ले ली है। जिन्हे बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी के आवास पर खुद लालू प्रसाद यादव तथा पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने सदस्यता दिलवाई हैं। इस दौरान बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि आज RJD के राष्ट्रीय अध्यक्ष की मौजूदगी में हम लोगों की कद्दावर नेता रही हिना शहाब ने पुनः पार्टी सदस्यता ग्रहण की है, उनके पुत्र ओसामा शहाब भी पार्टी में शामिल हुए हैं। कई समर्थकों ने भी पार्टी की सदस्यता ली हैं। मेरा विश्वास है, कि इससे सिवान के साथ-साथ पूरे बिहार में पार्टी को मजबूती मिलेगी। हम लोगों की जो धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा है, इस माध्यम से इसे हम जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव तथा बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की मौजूदगी में मोहम्मद शहाबुद्दीन की पत्नी तथा बेटे को राजद की सदस्यता दिलवाने के कई मायने निकाले जा रहे है।

हरियाणा और राजस्थान पुलिस में छिड़ी चालान-ए जंग, दोनों राज्यों में 116 बसों का कटा पर्चा

चंडीग। हरियाणा और राजस्थान की पुलिस में जंग-ए चलान शुरू हो गई है। पिछले तीन दिनों में दोनों राज्यों में जानकारी के मुताबिक 116 रोडवेज बसों का चलान कट चुका है। हरियाणा में एक महिला पुलिसकर्मी और राजस्थान रोडवेज कंडक्टर की बहस से शुरू हुआ मामला अब काफी गरमा गया है। रोजवेज कंडक्टर और महिलापुलिस कर्मी के विवाद में अब दोनों राज्यों की पुलिस कूद गई है। दरअसल हरियाणा महिला की महिला पुलिस कर्मचारी राजस्थान की रोडवेज में चढ़ गई। जब कंडक्टर ने किराया मांग तो उसने किराया देने से मना कर दिया। महिला पुलिसकर्मी ने कहा कि पुलिसवालों का किराया नहीं लगता है। इसके बाद कंडक्टर ने महिला पुलिसकर्मी से कहा कि ये राजस्थान की बस है, हरियाणा की बस नहीं है, इसलिए अगर यात्रा करनी है तो किराया देना पड़ेगा। मगर महिला पुलिस ने कहा कि किराया नहीं दूंगी जो करना है करलो। इसके बाद कंडक्टर ने बस रुकवा दी और बोला कि बस से उतर जाओ, लेकिन महिला पुलिस कर्मी अड़ी रही। उसने कहा कि न किराया दूंगी और नहीं बस उतरूंगी। उन्होंने कहा हरियाणा में बस चल रही यहां पुलिसकर्मचारी स्टाफ होता है। इसके बाद बस कंडक्टर ने महिला पुलिस कर्मचारी का चलान काट दिया।

झारखंड में जीतना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन BJP को अच्छे नतीजों की उम्मीद : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए जीत हासिल करना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन भाजपा को सत्ता में आने की 'उम्मीद' है। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के सह-प्रभारी शर्मा ने यह भी कहा कि वह वहां चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं और असम में 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'मैं यहां उपचुनावों पर नजर नहीं रख पा रहा हूं। मैं झारखंड में बहुत व्यस्त रहा हूं।'

इरफान अंसारी की टिप्पणी पर झारखंड में राजनीति में उबाल

बाबूलाल मरांडी ने कर दी बड़ी मांग, बैकफुट पर हेमंत सोरेन

एजेंसी । रांची

इरफान अंसारी के एक विवादित कमेंट की वजह से झारखंड की सियासत में उबाल दिखाई दे रहा है। भाजपा की महिला नेता सीता सोरेन के लिए की गई टिप्पणी को लेकर बीजेपी जेएमएम को घेरती हुई दिखाई दे रही है तो वहीं हेमंत सोरेन की पार्टी बैकफुट पर नज़र आ रही है। वहीं, इस मुद्दे पर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने अब एक बड़ी मांग कर दी है जिससे हेमंत सोरेन सकते में हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने 27 अक्टूबर को मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 'मन की बात' में कई बातें कही हैं। इसी क्रम में उन्होंने दो महापुरुषों का जिक्र किया है। दोनों महापुरुषों की 150वीं जयंती शुरू हो रही है। इनमें से एक सरदार वल्लभ भाई पटेल और दूसरे

भगवान बिरसा मुंडा हैं। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है। उसी दिन दिवाली भी है। इस बार सरदार पटेल की जयंती और धूमधाम से मनानी है। मरांडी ने कहा कि 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती है। उनकी 150वीं जयंती भी शुरू हो रही है। इसे भी पूरे देश में धूमधाम से मनाना है।

झारखंड बचाने के लिए सरकार जरूरी

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड में समय की मांग है कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में सरकार बने, ताकि हम सब झारखंड को बचा सकें। आज झारखंड उन लोगों के हाथों में फंस गया है, जिनके हाथ में दलाल और बिचौलिए हैं। ये लोग सबकुछ लूटने में लगे हैं। यह चुनाव झारखंड को लुटेरों, दलालों, बिचौलियों से बचाने का है। मैं झारखंड की सभी जनता से अपील करता हूं, उनसे अनुरोध करता हूं कि झारखंड को बचाने के लिए भारतीय जनता पार्टी को वोट दें। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करना है।

मरांडी ने हेमंत सोरेन की की ये मांग

मरांडी ने कहा कि यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है कि हेमंत सोरेन लाचार और विवश हैं। वोट के लिए वे किसी भी स्तर तक गिर सकते हैं। पार्टी अलग हो सकती है, लेकिन सीता सोरेन उनकी भाभी हैं। वे उनके आंदोलनकारी भाई दुर्गा सोरेन की पत्नी हैं। वे भी झारखंड की ही महिला हैं। जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी सीता सोरेन के बारे में इस घटिया शब्द का इस्तेमाल करते हैं। हम उस शब्द का इस्तेमाल नहीं कर सकते। अगर हेमंत सोरेन के दिल में थोड़ा भी स्वाभिमान है, तो इरफान अंसारी को मंत्रिमंडल से हटा देना चाहिए। मरांडी ने आगे कहा कि जो लोग एक महिला, एक आंदोलनकारी की पत्नी, शिबू सोरेन की बहू और उनकी साली के बारे में इस तरह के अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हैं और इसके बाद भी हेमंत सोरेन चुप हैं और उन्हें मंत्रिमंडल से भी नहीं हटा रहे हैं, तो कोई सोच सकता है कि झारखंड की माताओं और बहनों की सुरक्षा उनके द्वारा कैसे की जा सकती है। झारखंड की जनता, झारखंड की माताएं और बहनें यह अच्छी तरह देख रही हैं। हेमंत सोरेन को अब तो जाग जाना चाहिए।

इजराइल से बदला नहीं लेगा जख्मी ईरान?

अमेरिका की चेतावनी के बाद आई खामेनेई की पहली प्रतिक्रिया

एजेंसी । हमास

इजराइल ने 100 से अधिक फाइटर जेट से ईरान पर हमला किया जिसके बाद अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी कि हमले का पलटवार नहीं होना चाहिए, नहीं तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। अमेरिका की प्रतिक्रिया के बाद लोगों के मन में सवाल आ रहा था कि क्या ईरानी चेतावनी को मानेगा या इसे नजर अंदाज करके अपने दुश्मन इजराइल को जवाब देगा? इस सवाल का जवाब सामने आ चुका है। दरअसल, ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने कहा कि इजराइल के हमले को न तो बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाना चाहिए, न ही कम करके आंका जाना चाहिए, हालांकि उन्होंने बदले की कार्रवाई की बात नहीं की है। एपी की रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

ईरान के 20 ठिकाने तबाह

इजराइल ने ईरान के हमलों के जवाब में 25 दिन बाद शनिवार तड़के पलटवार किया जिसकी पूरी दुनिया में चर्चा होने लगी। इजराइल की सेना ने ईरान के इलाम, खुजस्तान और तेहरान में एक साथ हवाई हमले किये जिसमें ईरान के चार सैनिकों की मौत हो गयी। मिसाइल फैक्टरी तथा सैन्य अड्डे सहित 20 ठिकाने इजराइल के हमले में तबाह हो गए। यरुशलम पोस्ट के मुताबिक, 100 से अधिक लड़ाकू विमानों से ईरान पर हमला किया गया।

तेहरान में दहशत में लोग

इजराइल की सेना ने कहा कि हमारे लड़ाकू विमान और स्पाई जेट ने 1,600 किमी दूर जाकर दुश्मन के ठिकानों को तबाह कर दिया। हमले कई चरणों में किये गये। उधर, विस्फोटों की आवाज इतनी तेज थी कि ईरान की राजधानी तेहरान में भी इसकी गूंज सुनी गई। हमले के बाद तेहरान में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गयी और लोग सहम गए।

रबींद्रनाथ के संगीत की जगह बंगाल में सुनाई दे रही बमों की आवाज : अमित शाह

एजेंसी । कोलकाता

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बांग्लादेश से बंगाल में हो रही घुसपैठ पर सख्त रवैया अपनाते हुए राज्य की जनता से 2026 में 'परिवर्तन' लाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा बंगाल में सत्ता में आई तो घुसपैठ को रोक देगी। रविवार को उत्तर 24 परगना जिले के आइसीपी पेट्रापोल में नए यात्री टर्मिनल भवन व मैत्री द्वार का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में शाह ने कहा, 'बंगाल में व्याप्त अशांति की जड़ घुसपैठ है। घुसपैठ बंद होने पर ही यहां शांति बहाल होगी। 2026 (अगले बंगाल विधानसभा चुनाव) में राज्य में परिवर्तन लाएं। भाजपा सत्ता में आने पर घुसपैठ रोक देगी।'

बंगाल में सिंडिकेट की गुंडागर्दी: शाह

शाह ने आगे कहा, 'बंगाल में सिंडिकेट की गुंडागर्दी चल रही है। संदेशखाली से आरजी कर (अस्पताल) तक कहीं भी महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। बंगाल में महिलाओं के सम्मान को तार-तार कर दिया जाता है। ऐसी घटनाओं को भाजपा ही रोक सकती है।'

शाह राजनीतिक पर्यटक, घुसपैठ केंद्र की विफलता : तृणमूल

दूसरी तरफ तृणमूल नेता कुणाल घोष ने पलट जवाब देते हुए शाह को 'राजनीतिक पर्यटक' करार दिया। उन्होंने कहा, 'अगर घुसपैठ हो रही है तो यह केंद्र की विफलता है, क्योंकि सीमा पर पहरा शाह के विभाग के अधीन बीएसएफ देता है। जहां तक बंगाल को प्रचुर फंड देने की बात है तो केंद्र अपनी बात साबित करने के लिए इसपर श्वेतपत्र लाए।' कुणाल ने दावा किया कि केंद्र पर बंगाल सरकार के एक लाख 70 हजार करोड़ रुपए बकाया हैं।

राजग ने बंगाल को दिया संप्रग से अधिक पैसा

शाह ने दावा किया कि केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेतृत्व वाली सरकार ने पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार की तुलना में अधिक पैसा दिया है। उन्होंने कहा, 'मोदी सरकार ने पिछले 10 साल में बंगाल को सात लाख 74 हजार करोड़ रुपए दिए हैं। इसके बावजूद यहां विकास कार्य नहीं हुए हैं। ये रुपए तृणमूल नेताओं की जेबों में चले गए हैं।'

मृत महिला डॉक्टर के माता-पिता से नहीं मिले शाह

कोलकाता आने पर भी शाह ने आरजी कर अस्पताल में दरिंदगी की शिकार हुई जूनियर महिला डॉक्टर के माता-पिता से मुलाकात नहीं की। बंगाल भाजपा नेतृत्व ने इसका कारण शाह का व्यस्त कार्यक्रम बताया है। दूसरी तरफ माकपा ने इसे लेकर शाह की आलोचना की है। मालूम हो कि मृतका के पिता ने कुछ दिन पहले शाह को ईमेल भेजकर मिलने की इच्छा जताई थी।

पाकिस्तान से लगी सीमा के पास ईरान पर आतंकी हमला, 10 सुरक्षाबलों की मौत

एजेंसी । तेहरान

इजरायली हमले के बाद ईरान को एक और हमला हुआ। इसमें ईरान के तफ्तान में चरमपंथी समूह जैश-अल-अदल के हमले में ईरान के 10 सुरक्षाकर्मी मारे गए। तफ्तान इलाका पाकिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। ईरान के गृह मंत्रालय का कहना है सिस्तान और बलूचिस्तान की ईरानी सीमा पर स्थित शहर तफ्तान के गोहरकोह इलाके में हथियारबंद हमलावरों ने पुलिस की गश्ती इकाई पर हमला किया। ईरान के गृह मंत्री इस्कंदर मोमानी ने इस घटना को आतंकवादी

हमला बताया और तत्काल जांच के आदेश दिया। सिस्तान और बलूचिस्तान के पुलिस सूचना केंद्र ने भी शनिवार को अपने एक बयान जारी की। इसमें इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि तफ्तान शहर में गोहर कोह पुलिस स्टेशन की दो गश्ती इकाइयों के 10 पुलिस कर्मी मारे गए हैं।

जैश-अल-अदल ने ली हमले की जिम्मेदारी

जिस वक्त यह हमला हुआ उस समय पुलिस कर्मी अपनी ड्यूटी को खत्म करके अपने आवास की तरफ लौट रहे थे। हालांकि जैश-अल-अदल ने अपने टेलीग्राम चैनल पर इस हमले की जिम्मेदारी ली है। जैश-अल-अदल ने कहा कि तफ्तान शहर के गोहरकोह में फरजा जाबेर बलों की एक गश्ती इकाई को निशाना बनाया गया। जैश-अल-अदल एक हथियारबंद चरमपंथी संगठन है। यह संगठन ईरानी सरकार का विरोध करता है। यह संगठन खुद को न्याय और समानता की सेना भी कहता है।

राम मंदिर में नमाज पढ़ने लगे तीन बुजुर्ग, पुजारी रह गए दंग

एजेंसी । भोपाल

मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले में राम मंदिर में तीन मुस्लिम भाइयों के नमाज पढ़ने का मामला सामने आया है। घटना सलसलाई थाना क्षेत्र के किलोदा गांव में स्थित राम मंदिर की है। मंदिर के पुजारी ने सलसलाई थाने में पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई और आरोप लगाते हुए कहा कि मुस्लिम समाज के तीनों भाई जबरदस्ती मंदिर में घुस आए और नमाज पढ़ने लगे। बताया जा रहा है कि तीनों मंदिर के पास स्थित बैंक में किसी काम से आए थे। वह बैंक से निकले तो नमाज का समय हो गया था जिसकी वजह से उन्होंने वहीं नमाज अदा की। उन पर आरोप है कि मंदिर के पुजारी ने उन्हें रोका,

लेकिन वे नहीं माने। लोगों की तीखी प्रतिक्रिया के बाद सलसलाई थाना पुलिस ने पुजारी की शिकायत पर तीनों भाइयों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। तीनों भाइयों को पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया था और मुचल्का पर तीनों रिहा किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामला सात साल से कम की सजा का है। इसीलिए जिस दिन चालान पेश होगा उस दिन तीनों को कोर्ट में पेश होना पड़ेगा। जमानत या ट्रायल का फैसला कोर्ट में ही होगा। शाजापुर के गुलाना अंतर्गत राम मंदिर परिसर में मुस्लिम समाज के तीन भाइयों ने नमाज पढ़ी है। पुजारी ओमप्रकाश शर्मा ने आरोप लगाते हुए कहा कि शनिवार शाम गांव के 70 साल के बाबू खां, 65 साल के रुस्तम खां और 85 साल के अकबर खां आए। तीनों भाइयों ने मंदिर के दरवाजे पर रखे मटके के पानी से हाथ-पैर धोए और परिसर में बैठकर नमाज पढ़ने लगे।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ 'लव ट्रैप' की साजिश, कट्टरपंथी हावी

एजेंसी । ढाका

बांग्लादेश में जब से शेख हसीना की विदाई हुई है, हिंदुओं का जीना दूभर हो गया है। मोहम्मद यूसुफ की अंतरिम सरकार के पैर पसारने के बाद कट्टरपंथी हावी हो रहे हैं। अब हालांकि हिंदुओं पर प्रत्यक्ष हमले पहले जितने नहीं हैं, फिर भी धमकियां और उनसे सरकारी नौकरियों से जबरन इस्तीफे लिए जा रहे हैं। राजनीतिक संरक्षण के चलते लगातार मजबूत रहा कट्टरपंथी संगठन हिंदुओं के खिलाफ हिंसा से लेकर सामाजिक बहिष्कार और बदनामी अभियान का सहारा ले रहा है। ऐसी रिपोर्ट सामने आई हैं कि चरमपंथी समूहों ने 'लव ट्रैप' अभियान शुरू किया है, जिसमें आरोप लगाया जा रहा है कि हिंदू कथित तौर पर मुस्लिम महिलाओं को बहला-फुसलाकर उनका धर्म परिवर्तन कर रहे हैं।

समुदाय के लोगों को सरकारी नौकरियों से हटाया जा रहा

बांग्लादेश में हिंदू विरोधी कदमों की ताजा लहर में समुदाय के लोगों को सरकारी नौकरियों से हटाया जा रहा है, या तो बर्खास्तगी के जरिए या जबरन इस्तीफा लेकर। हिंदू शिक्षकों और प्रोफेसरों, खास तौर पर जाने-माने विश्वविद्यालयों में, कथित तौर पर इस्तीफा देने के लिए दबाव डाला जा रहा है। हाल ही में चटगांव विश्वविद्यालय में इतिहास विभाग में सहायक प्रोफेसर रोंटू दास को कथित तौर पर इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। उन्हें कथित तौर पर जान से मारने की धमकियां भी मिलीं। अपने त्यागपत्र में उन्होंने अपने साथ हुए भेदभाव के बारे में बताया। उनका लेटर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पुलिस की नौकरी से बर्खास्त

हाल ही में शारदा पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण पूरा करने वाले 252 सब इंस्पेक्टरों को अनुशासनहीनता और अनियमितताओं के आरोप में बर्खास्त कर दिया गया, जिनमें 91 हिंदू कर्मी थे। इन प्रशिक्षुओं की नियुक्ति शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान हुई थी। इसके अलावा शारदा पुलिस अकादमी में 20 अक्टूबर को 60 से अधिक एएसपी रैंक के अधिकारियों की पास-आउट परेड रद्द कर दी गई, जिससे इन अधिकारियों की सरकारी पदों पर नियुक्ति में और देरी हो गई।

हिंदुओं के खिलाफ 'लव ट्रैप' अभियान

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय को निशाना बनाने के लिए चरमपंथी समूहों ने 'लव ट्रैप' अभियान शुरू किया है, जिसमें आरोप लगाया जा रहा है कि हिंदू पुरुष कथित तौर पर मुस्लिम महिलाओं को बहला-फुसलाकर उनका धर्म परिवर्तन कर रहे हैं। इस कहानी को बढ़ावा देने के लिए इलाकों में पोस्टर चस्पा किए जा रहे हैं और मुस्लिम महिलाओं से सावधानी बरतने की अपील की जा रही है।

हिंदुओं के खिलाफ दुश्मनी जैसा माहौल

हिंदू समुदाय का आरोप है कि देश में उनके खिलाफ दुश्मनी का माहौल बन रहा है, जिसकी वजह से उन्हें अपनी नौकरी और दूसरे अवसर गंवाने पड़ रहे हैं। हालांकि, कट्टरपंथी समूहों का आरोप है कि पिछली शेख हसीना सरकार ने अपनी अवामी लीग पार्टी के करीबी लोगों को तरजीह दी थी। अब, जब नई सरकार बनी है, तो ये कट्टरपंथी कथित तौर पर ऐसे लोगों खास तौर पर हिंदुओं को निशाना बना रहे हैं।

विधायक बनने का जुनून : हर बार खेत बेचकर चुनाव लड़ता है एतवा उरांव

हर बार लड़ता है चुनाव, हो जाती है जमानत जब्त

एजेंसी । गुमला

धरती पकड़ के नाम से मशहूर काका जोगिंदर सिंह को कौन नहीं जानता। जब भी कोई चुनाव आता है, लोगों को उनकी याद आ जाती है। विधानसभा से लोकसभा और राष्ट्रपति तक का चुनाव लड़ चुके हैं। हालांकि, कभी उनको चुनाव में जीत नहीं मिली। हर बार उनकी जमानत जब्त हुई। धरती पकड़ बार-बार चुनाव लड़ने वाले अकेले शख्स नहीं थे। झारखंड में भी एक ऐसा व्यक्ति है, जो हर बार चुनाव लड़ता है। हर बार उसकी जमानत जब्त हो जाती है।

76 साल की उम्र में लड़ चुके हैं मुखिया से लोकसभा तक का चुनाव

हम बात कर रहे हैं एतवा उरांव की। एतवा उरांव गुमला जिले के रहने वाले हैं। 76 साल उनकी उम्र हो चुकी है। वह मुखिया से लेकर विधानसभा और लोकसभा तक का चुनाव लड़ चुके हैं। ऐसा भी नहीं है कि एतवा उरांव के पास बहुत पैसे हैं, जिससे वह हर बार चुनाव लड़ने के लिए तैयार हो जाते हैं। इसके लिए उन्हें अपनी जमीन बेचनी पड़ती है। हर बार वह जमीन बेचकर ही चुनाव लड़ते हैं।

गुमला जिले के घाघरा प्रखंड के रहने वाले हैं एतवा उरांव

एतवा उरांव गुमला जिले के घाघरा प्रखंड में सरांगो गांव के रहने वाले हैं। चुनाव लड़ने का उनका शौक अजीब है। अब तक 4 बार झारखंड विधानसभा का चुनाव, एक बार लोकसभा चुनाव और 3 बार मुखिया का चुनाव लड़ चुके हैं। कभी जीते नहीं। हर बार उनकी जमानत जब्त हुई। इसके बाद भी वह हर बार चुनाव लड़ते हैं। एतवा उरांव खेत बेचकर और मजदूरी करके पैसा जमा करते हैं और उसी पैसे से चुनाव लड़ते हैं।

एतवा उरांव ने बिशुनपुर विधानसभा सीट से भरा है नामांकन :

एतवा उरांव ने इस बार अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित बिशुनपुर विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया है। एतवा ने बताया कि वह ठेपा छाप हैं। यानी पढ़ना-लिखना नहीं जानते। लिख तो बिल्कुल नहीं पाते हैं। कभी स्कूल नहीं गए। थोड़ी-बहुत हिंदी हिंदी किसी तरह से पढ़ लेते हैं। उनके पास 4 एकड़ खेत है, जिसमें साल भर खेती करते हैं। उसी खेत से घर परिवार की जीविका चलती है।

4 बार विधानसभा, 1 बार लोकसभा, 3 बार मुखिया का चुनाव लड़े

एतवा उरांव कहते हैं कि वह हर बार विधानसभा, लोकसभा और मुखिया के चुनाव में नामांकन दाखिल करते हैं। कई बार उनका नामांकन रद्द हो गया, जिस समय वह नामांकन भरते हैं, उसमें कुछ न कुछ त्रुटि रह जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि अब तक 4 बार विधानसभा, एक बार लोकसभा और 3 बार मुखिया का चुनाव लड़ चुके हैं। तब उनका नामांकन रद्द नहीं हुआ था।

पांचवीं बार विधानसभा चुनाव लड़ने का रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं एतवा

उन्होंने बताया कि नामांकन पत्र में सब कुछ ठीक रहने की वजह से चुनाव तो लड़े, लेकिन जनता का समर्थन उनको नहीं मिला। वह कभी चुनाव जीत नहीं सके। इस बार उनकी चुनाव की तैयारी कैसी है, यह पूछने पर एतवा उरांव कहते हैं कि लगातार 5 साल तक क्षेत्र में घूमता हूं। इसलिए इस बार विधानसभा चुनाव की पूरी तैयारी करके नामांकन किया है। ईश्वर से प्रार्थना है कि नामांकन रद्द न हो, ताकि पांचवीं बार विधानसभा चुनाव लड़ने का रिकॉर्ड बना सकूं।

गुजरात के अमरेली में महसूस किए गए भूकंप के झटके

एजेंसी । अमरेली

गुजरात के अमरेली जिले में शनिवार शाम को भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.7 मापी गई। भूकंप के झटके महसूस होते ही क्षेत्र के निवासियों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन अभी तक इस घटना में किसी भी प्रकार के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि भूकंप के झटकों के बाद क्षेत्र में स्थिति सामान्य है और किसी भी प्रकार के नुकसान की रिपोर्ट नहीं आई है। भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण (IGS) ने बताया कि गुजरात के कुछ हिस्सों में भूकंप की गतिविधि अक्सर होती रहती है। हालांकि, ऐसे हल्के झटकों से आमतौर पर अधिक नुकसान नहीं होता है। स्थानीय निवासियों ने भूकंप के झटकों का अनुभव करते ही तुरंत अपनी सुरक्षित जगहों की ओर दौड़ लगाई। इस दौरान, कुछ लोग अपने घरों से बाहर निकलकर गलियों में एकत्र हो गए, जबकि कई लोग अपने मोबाइल फोन से भूकंप के झटके के अनुभव को शेयर करने में लगे रहे।

खबर संक्षेप

पुलिस कस्टडी में हुई मौत पर बरसे सपा प्रमुख

लखनऊ। प्रदेश की राजधानी में बीते रोज पुलिस हिरासत में एक व्यापारी की मौत हो गई। मृतक मोहित पांडेय के परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने पीट-पीट उसको मौत के घाट उतार दिया। वहीं अब इस मामले को लेकर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व सपा सुप्रीमो तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने सोशल हैंडल एक्स पर लिखा कि 'उप्र की राजधानी में पिछले 16 दिनों में पुलिस 'हिरासत में मौत (हत्या पढ़ा जाए)' का दूसरा समाचार मिला है। नाम बदलने में माहिर सरकार को अब 'पुलिस हिरासत' का नाम बदलकर 'अत्याचार गृह' रख देना चाहिए। पीड़ित परिवार की हर मांग पूरी की जाए, हम उनके साथ हैं।'

पत्रकारों से बातचीत करते हुए यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश कस्टोडियल डेथ में सबसे ऊपर जा रहा है। सरकार जीरो टॉलरेंस की बात कर रही है। पहले अमन गौतम की मौत हुई और आज एक और (मोहित पाडेंय) की मौत, अगर इस तरह प्रदेश की राजधानी में जान जा रही है तो प्रदेश में ऐसे अनेकों मामले मिल जाएंगे। उन्होंने कहा कि ये सरकार पुलिस से सरकार चलवाना चाहती है। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने कहा कि परिवार को न्याय मिले, परिवार की मांगों को मानना चाहिए और आर्थिक मदद करनी चाहिए।

जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला मात्र 600 रुपए के लेनदेन को लेकर शुरु हुआ था। 32 वर्षीय मोहित की आदेश नाम के युवक के साथ 600 रुपए को लेकर झगड़ा हुआ। इसके बाद आदेश ने फोन कर पुलिस को बुला लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मोहित को पकड़कर थाने ले गई। सूचना के बाद मोहित का भाई शोभाराम उसे छुड़ाने थाने गया तो पुलिस ने उसे भी पकड़ कर लॉकअप में बंद कर दिया।

फिर अकासा एयरलाइंस की फ्लाइट में बम की फर्जी सूचना

गोरखपुर। गोरखपुर एयरपोर्ट पर रविवार को एक बार फिर से हड़कंप मच गया। दोपहर करीब दो बजे सोशल मीडिया एक्स से सूचना मिली कि बंगलुरू से गोरखपुर आकर यहां से दिल्ली जाने वाली एकासा एयर की फ्लाइट में बम है। ठीक ऐसे ही सूचना बृहस्पतिवार को भी एक्स से दी गई थी। सूचना मिलते की एयरपोर्ट सुरक्षा के साथ जिले की पुलिस भी हैरत में आ गई। एसपी सिटी के साथ एम्स थाने की पुलिस एयरपोर्ट पहुंच यात्रियों को व्यस्थित करने के साथ बम का तलाश में जुट गई। काफी खोजबीन के बाद पता कि पिछली बार की तरह ही इस बार भी फर्जी सूचना दी गई थी। फ्लाइट में किसी तरह की कोई आपत्तिजनक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने से वापस दिल्ली के लिए उड़ान भरने के लिए फ्लाइट को क्लियरेंस दे दी गई।

उत्तर प्रदेश उपचुनाव

भाजपा ने घोषित किये प्रत्याशी

करहल सीट पर मुलायम परिवार के दो सदस्य करेंगे जोर आजमाइश

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश में जिन नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहा है उनमें से सात के लिये अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। पार्टी ने करहल सीट से अनुजेश यादव को मैदान में उतारा है जो सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चचेरे बहनोई हैं ।

दिलचस्प यह है कि करहल से सपा उम्मीदवार तेज प्रताप सिंह यादव अनुजेश के फूफा हैं ।पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक दरअसल, अनुजेश आजमगढ़ से सपा सांसद धर्मेन्द्र यादव के सगे जीजा हैं। धर्मेन्द्र सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चचेरे भाई हैं। अनुजेश ने जब मार्च 2019 में भाजपा का दामन थामा था, तो बदायूं से तत्कालीन सांसद रहे धर्मेंद्र यादव ने एक पत्र जारी करके उनसे अपना नाता तोड़ने का ऐलान कर दिया था।

करहल सीट हमेशा से समाजवादियों का बेहद मजबूत गढ़ रहा है और इस बार भी इस सीट पर सपा और भाजपा के बीच ही मुख्य मुकाबला होने की सम्भावना है। ऐसे में तेज प्रताप और अनुजेश चुनावी मैदान में एक—दूसरे से जोर—आजमाइश करते नजर आएंगे। भाजपा ने आज जारी सूची में कटेहरी सीट पर बहुजन समाज पार्टी के पूर्व विधायक धर्मराज निषाद को उम्मीदवार बनाया है। धर्मराज निषाद वर्ष 1996, 2002 और 2007 में कटेहरी से विधायक रहे हैं। भाजपा की सहयोगी, निषाद पार्टी गठबंधन के तहत कटेहरी और मझवां सीट मांग रही थी। भाजपा ने मझवां सीट से पूर्व विधायक सुचिस्मिता मौर्य को मैदान में उतारा है। वह वर्ष 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में इसी सीट से भाजपा के टिकट पर विधायक बनी थीं। वर्ष 2022 के चुनाव में यह सीट गठबंधन के तहत निषाद पार्टी के खाते में चली गयी थी। उपचुनाव में एक बार फिर सुचिस्मिता को टिकट देकर भाजपा ने अपने वफादारों को तरजीह देने का संदेश दिया है। फूलपुर सीट से भाजपा ने दीपक पटेल को उम्मीदवार बनाया है। पटेल वर्ष 2012 में करछना सीट से बसपा के विधायक रह चुके हैं।

प्रदेश की खैर सीट से भाजपा ने सुरेंद्र दिलेर को प्रत्याशी बनाया है। दिलेर हाथरस से भाजपा के सांसद रहे राजवीर सिंह दिलेर के बेटे हैं।

भाजपा ने इस साल लोकसभा चुनाव में राजवीर को टिकट नहीं दिया था। भाजपा ने गाजियाबाद से पार्टी के जिलाध्यक्ष संजीव शर्मा को टिकट दिया है। शर्मा इलाके में भाजपा का ब्राह्मण चेहरा माने जाते हैं। इसके अलावा कुंदरकी सीट से रामवीर सिंह ठाकुर को उम्मीदवार बनाया है। ठाकुर पूर्व में दो बार कुंदरकी से और एक बार मुरादाबाद—ग्रामीण सीट से चुनाव लड़ चुके हैं। हालांकि उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा था।

उप्र उपचुनाव

सपा ने दो और सीटों पर घोषित किये उम्मीदवार

लखनऊ। कांग्रेस के चुनाव मैदान में उतरने से इनकार के बाद इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) में उसकी सहयोगी समाजवादी पार्टी (सपा) ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस के खाते की दो सीटों -गाजियाबाद और खैर- पर भी बृहस्पतिवार को उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिये। सपा ने इंडिया गठबंधन के तहत गाजियाबाद और खैर सीटें कांग्रेस को दी थी, मगर पार्टी ने 'संविधान, सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की रक्षा' के मकसद से, उपचुनाव में अपने उम्मीदवार नहीं उतारने और सपा प्रत्याशियों की जीत के लिए उनका समर्थन करने का फैसला किया है। सपा ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि पार्टी ने गाजियाबाद सीट से सिंह राज जाटव को जबकि अलीगढ़ की खैर विधानसभा सीट से डॉक्टर चारू कैन को टिकट दिया गया है। पार्टी ने इससे पहले छह सीटों पर पार्टी उम्मीदवारों की अलग-अलग सूची जारी की थी। अन्य छह सीटों पर पार्टी के उम्मीदवारों में करहल से तेज प्रताप यादव, सीसामऊ से नसीम सोलंकी, फूलपुर से मुस्तफा सिद्दीकी, कटेहरी से शोभावती वर्मा, मझवां से ज्योदी बिंद और मीरापुर से सुम्बुल राना शामिल हैं। पार्टी ने अभी कुंदरकी सीट से उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। चुनाव आयोग ने एक मामला अदालत में लम्बित होने के कारण मिल्कीपुर (अयोध्या) को छोड़कर नौ सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की है। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 25 अक्टूबर है।

उप्र विधानसभा उपचुनाव

बसपा ने आठ सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित किये

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने उत्तर प्रदेश में नौ सीटों पर होने वाले उपचुनाव के आलोक में आठ सीटों पर बृहस्पतिवार को उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की । बसपा के राष्ट्रीय महासचिव मेवालाल गौतम की ओर से जारी इस सूची के मुताबिक पार्टी ने कटेहरी (अंबेडकर नगर) सीट से अमित वर्मा, फूलपुर (प्रयागराज) सीट से जितेंद्र कुमार सिंह, मीरापुर (मुजफ्फरनगर) सीट से शाह नजर और सीसामऊ (कानपुर नगर) सीट से वीरेंद्र कुमार शुक्ला को उम्मीदवार बनाया है। सूची के अनुसार, पार्टी ने इन सीटों के अलावा करहल (मैनपुरी) से अवनीश कुमार शाक्य, कुंदरकी (मुरादाबाद) से रफत उल्ला, गाजियाबाद से परमानंद गर्ग तथा मझवां (मिर्जापुर) से दीपक तिवारी को प्रत्याशी बनाया है। उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव आगामी 13 नवंबर को होगा और परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। प्रदेश में जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं उनमें कटेहरी (अंबेडकर नगर), करहल (मैनपुरी), मीरापुर (मुजफ्फरनगर), गाजियाबाद, मझवां (मिर्जापुर),

सीसामऊ (कानपुर शहर), खैर (अलीगढ़), फूलपुर (प्रयागराज) और कुंदरकी (मुरादाबाद) शमिल हैं। सीसामऊ के अलावा सभी निर्वाचन क्षेत्र के विधायकों ने इस साल आम चुनाव के बाद इस्तीफा दे दिया था। ये सभी विधायक लोकसभा के लिये निर्वाचित हुये हैं। सीसामऊ सीट के विधायक इरफान सोलंकी को एक आपराधिक मामले में सजा सुनाये जाने के कारण विधानसभा सदस्यता की उनकी सदस्यता समाप्त हो गयी जिसके बाद यह सीट रिक्त हुई है।

बालूशासन पुल बनकर तैयार, 3 लाख लोगों को मिलेगी सुविधा

संतकबीर नगर। खलीलाबाद को नेपाल से जोड़ने वाला बालूशासन पुल बनकर तैयार हो गया है। अब इंतजारी है तो इसके लोकार्पण की। इसके बाद इस मार्ग पर आवागमन की सुविधा बेहतर हो जाएगी। लोगों को जाम की समस्या से निजात मिलेगी। पुल पर आवागमन शुरू होने पर करीब तीन लाख लोगों को लाभ मिलेगा। खलीलाबाद से मेंहदावल मार्ग को जोड़ने के लिए आमी नदी पर काफी पुराना पुल बना है। यह पुल संकरा होने से दो वाहन एक साथ आर-पार नहीं हो सकते हैं। इस पुल से महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बस्ती के लोग भी आते-जाते हैं। लंबे समय से पुल के निर्माण की मांग चल रही थी।

दिसंबर 2022 में इसकी मंजूरी मिली और पुल का निर्माण शुरू हुआ। पुल का निर्माण पीडब्लूडी ने शुरू किया। पुल के दायरे में 236 किसानों की जमीन आई। इन किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया गया। किसानों को जमीन के मुआवजे के लिए 78 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से धन का आवंटन भूमि अध्याप्ति कार्यालय को किया गया था, जिसे किसानों को उनकी भूमि के मुआवजा के रूप में दिया गया।

पुल के निर्माण में खर्च हुए पांच करोड़ रुपए

बालूशासन के पुल के निर्माण में करीब पांच करोड़ रुपये खर्च हुए है। यह पुल बनकर तैयार हो चुका है। अब इसके लोकार्पण का इंतजार है। उम्मीद है जल्द ही इस पुल का लोकार्पण हो जाएगा। इसके बाद लोगों के आने-जाने की समस्या दूर हो जाएगी। कारण यह है कि पुराना पुल काफी संकरा है, जिससे एक तरफ अगर कोई वाहन निकल रहा हो तो दूसरी तरफ के वाहन खड़े हो जाते हैं, जिसकी वजह से जाम भी लग जाता है।

पति ने पीट-पीटकर की पत्नी की हत्या

सहारनपुर। नकुड़ के मोहल्ला जोगियान में पति ने पत्नी को रोटी के तवे से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। खाना लेट बनाने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद पति ने गुस्से में आकर पत्नी के सिर में तवे से कई वार किए। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुटी है। घटना रविवार अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे की है। मोहल्ला जोगियान निवासी इबमय अली दोपहर खाना खाने के लिए घर पहुंचा। पत्नी शहनाज ने थोड़ी देर में खाना बनाने की बात कही। इस पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते इबमय को इतना गुस्सा आया कि उसने रोटी बनाने का तवा उठा लिया। इसके बाद शहनाज (38) पर तवे से ताबड़तोड़ वार करने लगा। तवा मार-मारकर उसे मौत की नींद सुला दिया। जब तक उसकी जान नहीं निकल गई, तब तक उसे मारता रहा। सूचना पर पुलिस मौके पर पुहंची। पुलिस ने बताया कि पति-पत्नी के बीच आएदिन कहासुनी हो रही थी। पति डेंटिंग-पेंटिंग का काम करता है। इनके चार बच्चे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। साथ ही मृतका के परिजनों को भी सूचना दे दी है।

व्यापार जगत

पंजाब में जगह की कमी नहीं': केंद्र ने धान भंडारण की चिंताओं को खारिज किया

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र ने रविवार को उन खबरों को खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि पंजाब में भंडारण जगह की कमी के कारण धान खरीद प्रभावित हो रही है। केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को भरोसा दिया कि पर्याप्त भंडारण स्थान बनाना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने भंडारण जगह की कमी संबंधी खबरों को खारिज करते हुए इसे निहित स्वार्थों के कारण फैलाई गई गलत सूचना करार दिया।

जोशी ने खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) की चेयरमैन वनिता रतन शर्मा के साथ मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, 'कुछ अफवाहें फैलाई जा रही हैं। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि जगह बनाना हमारी जिम्मेदारी है। हम इसका ध्यान रखेंगे।' उन्होंने कहा कि राज्य में इस समय 14 लाख

टन भंडारण क्षमता है, जो एक नवंबर तक बढ़कर 16 लाख टन हो जाएगी। निजी उद्यमी गारंटी (पीईजी) योजना के तहत अतिरिक्त 31 लाख टन क्षमता विकसित की जा रही है। मंत्री ने बताया कि 3,800 मिल वालों ने धान उठाने के लिए आवेदन किया है, जिनमें से 3,250 को चावल बनाने के लिए भंडार आवंटित किया जा चुका है।सरकार ने 9,819.88 करोड़ रुपये का भुगतान किया है, जिसमें से 7,641 करोड़ रुपये किसानों तक पहुंच चुके हैं। मंत्रालय ने भंडारण क्षमता और आवाजाही की साप्ताहिक निगरानी के लिए एफसीआई की अगुवाई में एक उच्चस्तरीय समिति बनाई है।

नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने चीन से अतिरिक्त 10 अरब युआन का कर्ज मांगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने चीन से अतिरिक्त 10 अरब युआन (1.4 अरब डॉलर) का कर्ज देने का अनुरोध किया है। रविवार को जारी एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। नकदी संकट से जूझ रहा यह देश पहले ही मौजूदा 30 अरब युआन (4.3 अरब डॉलर) की चीनी व्यापार सुविधा का उपयोग कर चुका है। वित्त मंत्रालय द्वारा शनिवार देर रात जारी बयान में कहा गया कि वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने वाशिंगटन में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के दौरान चीन के वित्त उप मंत्री लियाओ मिन से मुलाकात की और उनसे मुद्रा अदला-बदली करार के तहत सीमा को बढ़ाकर 40 अरब युआन करने का अनुरोध किया।रिपोर्ट के अनुसार, यदि चीन इसे स्वीकार कर लेता है, तो कुल सुविधा लगभग 5.7 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगी। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने ऋण सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया है। हालांकि, चीन ने पिछले सभी ऐसे अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया है। यह नवीनतम अनुरोध चीन द्वारा मौजूदा 4.3 अरब डॉलर (30 अरब युआन) की सुविधा को अगले तीन वर्षों के लिए बढ़ाए जाने के दो सप्ताह से भी कम समय बाद आया है। पाकिस्तान और चीन ने चीनी प्रधानमंत्री ली क्विंग की हालिया यात्रा के दौरान एक मुद्रा अदला-बदली समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिससे पाकिस्तान की ऋण भुगतान अवधि 2027 तक बढ़ गई थी।

एफएसएसएआई अब अधिक सक्रिय, उद्योग केंद्रित : नेस्ले

समालखा। नेस्ले इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) सुरेश नारायणन ने कहा है कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के काम करने के तरीके में नाटकीय बदलाव आया है और पिछले दशक में नियामक तेजी से प्रतिक्रिया देने के साथ अधिक सक्रिय और उद्योग-केंद्रित हो गया है। लगभग एक दशक पहले सामने आए मैगी संकट के बाद नेस्ले इंडिया का नेतृत्व करने वाले नारायणन ने कहा कि इसके अलावा, एफएसएसएआई के विभिन्न अगुवाओं द्वारा अधिक संख्या में एनएबीएल-मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं की स्थापना के साथ, परीक्षण प्रक्रिया की विश्वसनीयता भी बढ़ गई है। एफएसएसएआई ने जून, 2015 में मैगी नूडल्स में कथित रूप से स्वीकार्य सीमा से अधिक सीसा पाए जाने के कारण उसपर प्रतिबंध लगा दिया था, जिसके कारण कंपनी को बाजार से यह उत्पाद वापस लेना पड़ा था।

उद्योग के पर्यवेक्षकों का मानना है कि मैगी संकट के बाद ही एफएसएसएआई देश भर में सुर्खियों में आया। हालांकि, इसकी स्थापना लगभग सात साल पहले सितंबर, 2008 में खाद्य पदार्थों के लिए विज्ञान आधारित मानक और नियम व विनियम निर्धारित करने के लिए की गई थी। प्रतिबंध हटने के बाद नवंबर, 2015 में नेस्ले इंडिया ने मैगी को फिर से बाजार में उतारा और तेजी से बढ़ते त्वरित नूडल्स खंड में फिर से अपना स्थान हासिल कर लिया, जहां यह अब भी 60 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे है।

नेस्ले ने मैगी की छह अरब से अधिक 'सर्विंग्स' बेची हैं, जिससे भारत दुनिया भर में मैगी के लिए सबसे बड़ा बाजार बन गया है। कंपनी ने इसी साल अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में यह दावा किया था। मैगी संकट के बाद पिछले दशक में एक नियामक के रूप में एफएसएसएआई के विकास के बारे में पूछे जाने पर, नारायणन ने कहा कि यह 'बहुत लंबा सफर तय कर चुका है।' नेस्ले इंडिया स्विट्जरलैंड की बहुराष्ट्रीय कंपनी नेस्ले एसए की अनुषंगी है। नेस्ले इंडिया के लिए भारत सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से है।

म्यूचुअल फंड ने एक साल में 56 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया

नई दिल्ली। निवेश परिदृश्य में कारोबारी चक्र से जुड़े म्यूचुअल फंड का प्रचलन बढ़ रहा है। पिछले साल इन म्यूचुअल फंड ने 32-56 प्रतिशत का मजबूत रिटर्न दिया है। इस दौरान एचएसबीसी, महिंद्रा मनुलाइफ और क्वॉन्ट की योजनाओं से निवेशकों से 50 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न मिला है। कारोबारी चक्र फंड म्यूचुअल फंड का ही एक प्रकार है, जो आर्थिक चक्र के विभिन्न चरणों के दौरान ऐसे शेयरों और क्षेत्रों में निवेश करते हैं जिनके उस समय की परिस्थितियों के आधार पर अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद होती है। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, इन शीर्ष तीन फंड ने निफ्टी 500 टीआरआई सूचकांक से काफी बेहतर

प्रदर्शन किया है, जिसने इसी अवधि में 35.11 प्रतिशत रिटर्न दिया। आनंद राठी वेल्थ के डिप्टी मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फिरोज अजीज ने कहा कि यह शानदार वृद्धि इन कोष में निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी को दर्शाती है। वर्तमान में, बाजार में केवल 16 कारोबारी चक्र से संबंधित कोष हैं, जिनमें से केवल तीन ने तीन साल का कार्यकाल पूरा किया है। इस श्रेणी की प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) सितंबर, 2021 के 17,238 करोड़ रुपये से दोगुना से अधिक होकर 37,487 करोड़ रुपये हो गई हैं। ऐसे कोष आर्थिक चक्र की पहचान करने की कोशिश करते हैं और फिर उन क्षेत्रों से शेयर चुनते हैं जो संबंधित बाजार स्थितियों में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। ये कोष अर्थव्यवस्था की मंदी या शुरुआती सुधार जैसी विभिन्न स्थितियों के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में अपने निवेश को लगाते-निकालते हैं। उदाहरण के लिए, मंदी के दौर में, उपयोगिता और फार्मास्यूटिकल्स जैसे रक्षात्मक क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन करते हैं। इसके विपरीत, वाहन, वित्तीय और बुनियादी ढांचा जैसे क्षेत्रों में शुरुआती सुधार चरण में लाभ देखने को मिलता है। वर्तमान में उपलब्ध 16 ऐसे कोषों में से 10 म्यूचुअल फंड का रिकॉर्ड एक साल से ज्यादा का है और एक को छोड़कर सभी ने पिछले 12 महीनों में निफ्टी 500 टीआरआई से बेहतर प्रदर्शन किया है। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, इन 10 फंड ने औसतन 42 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

किनवेन झेंग ने तोक्यो में खिताब जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स में जगह पक्की की

एजेंसी । तोक्यो

चीन की शीर्ष वरीय किनवेन झेंग ने रविवार को यहां अमेरिका की वाइल्डकार्डधारी सोफिया केनिन को 7-6 (5), 6-3 से हराकर टोरे पैन पैसिफिक ओपन का खिताब जीता और अगले महीने होने वाले डब्ल्यूटीए फाइनल्स में जगह बनाई। पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली सातवें नंबर की खिलाड़ी झेंग ने 2020 ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन पर एक घंटे 52 मिनट में मिली जीत के दौरान 16 ऐस लगाए और सिर्फ एक ब्रेक प्वाइंट का सामना किया। इस साल यह 22 वर्षीय झेंग का तीसरा खिताब है और पिछले साल हांग्झोउ में जीतने के बाद हार्डकोर्ट पर यह उनका पहला खिताब है। डब्ल्यूटीए फाइनल दो नवंबर को सऊदी अरब के रियाद में शुरू होगा।

भारत को जापान पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में 24 पदक

एजेंसी । तोक्यो

शिवराजन सोलईमलई और सुकांत कदम के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को जापान पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 24 पदक जीते।भारत ने छह स्वर्ण, नौ रजत और नौ कांस्य पदक जीते। शिवराजन को दोहरी सफलता मिली। उन्होंने पुरुष एकल एसएच6 वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा पुरुष युगल में सुदर्शन श्रवणकुमार मुथुसामी के साथ मिलकर खिताब जीता। सुकांत ने पुरुष एकल (एसएल4) में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा पुरुष युगल (एसएल3-एसएल4) में दिनेश राजैया के साथ मिलकर रजत पदक जीता। उन्होंने एकल फाइनल में साथी भारतीय खिलाड़ी तरूण को 21-12, 21-10 से हराया। नवीन शिवकुमार और सूर्यकांत यादव को कांस्य पदक मिले। पुरुष युगल फाइनल में सुकांत और दिनेश को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद उमेश विक्रम कुमार और सूर्यकांत यादव की हमवतन जोड़ी के खिलाफ 5-21, 22-20, 16-21 की हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। सुकांत ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'एकल में स्वर्ण और युगल में रजत जीतना बेहद विशेष है। मैं अपने कोच, सहयोगी टीम और पूरे पैरा बैडमिंटन समुदाय को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। यह जीत सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए मेरी प्रेरणा बनती है।' अन्य स्पर्धाओं में मौजूदा पैरालंपिक चैंपियन कुमार नितेश ने एसएल3 फाइनल में जापान के डाइसुके फुजिहारा के खिलाफ करीबी मुकाबले में 16-21, 21-18, 19-21 की हार से रजत पदक जीता। महिलाओं के एसयू5 वर्ग में मनीषा रामदास ने जापान की मामिको टोयोडा को 21-12, 21-18 से हराकर स्वर्ण पदक जीता जबकि नीरज को महिलाओं के एसएल3 वर्ग में कोरालिन बर्गेरॉन से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

लगातार दो हार से डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में भारत को हुआ नुकसान

भारतीय टीम के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली लगातार दो हार से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने की राह मुश्किल हो गई है।

एजेंसी । नई दिल्ली

न्यूजीलैंड ने शनिवार को भारत को दूसरे टेस्ट मैच में 113 रनों से हराकर भारतीय सरजमीं पर पहली टेस्ट सीरीज अपने नाम की है। भारत ने आखिरी बार 2012-13 सत्र में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज गंवाई थी। इसके बाद से अपनी धरती पर लगातार 18 सीरीज जीती थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज गंवाने के साथ भारत के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में क्वालीफाई करने की राह मुश्किल हो गई है।

निराशाजनक प्रदर्शन

बेंगलुरु में पहले टेस्ट में भारत को न्यूजीलैंड ने आठ विकेट से हराया। दूसरे टेस्ट में भी भारतीय बल्लेबाजों ने निराशाजनक प्रदर्शन किया और 113 रनों से हार का सामना करना पड़ा। यह न्यूजीलैंड की भारत में पहली टेस्ट सीरीज जीत भी है। लगातार दूसरी जीत के साथ न्यूजीलैंड की टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर पहुंच गई है। भारतीय टीम टॉप पर बरकरार है हालांकि भारत का प्रतिशत गिरकर 62.82 हो गया है।

बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा

ऐसे में अब आखिरी टेस्ट और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा। तालिका में ऑस्ट्रेलिया 62.50 प्रतिशत के साथ दूसरे और श्रीलंका 55.56 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड 50 प्रतिशत के डब्ल्यूटीसी के फाइनल की रेस में पहुंच गया है। न्यूजीलैंड टीम नवंबर और दिसंबर में तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में इंग्लैंड की मेजबानी करेगी। इस सीरीज में उसके पास शीर्ष दो में पहुंचने का मौका होगा।

नये युग के युवा खिलाड़ी बेलोन डी'ओर जीतने को तैयार

एजेंसी । मैनचेस्टर

वैश्विक फुटबॉल के साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिये जाने वाले पुरस्कार 'बेलोन डी'ओर' का आयोजन जब सोमवार को होगा तो पिछले कई वर्षों में ऐसा पहली बार होगा जबकि इस खेल के दो सबसे बड़े दिग्गजों में शामिल क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेस्सी दावेदारों में शामिल नहीं होंगे। अर्जेंटीना के मेस्सी और रोनाल्डो पिछले 16 बरस में 13 बार इस खिताब के विजेता रहे हैं लेकिन इस बार इन दोनों को नामांकन नहीं मिला है। मेस्सी उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल है जिन्होंने इस खिताब को लगातार दो साल जीता है। उन्होंने 2022 में अर्जेंटीना को विश्व चैम्पियन बनाने के बाद अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए आठवीं बार इसे जीता था। मेस्सी से पहले लगातार दो पुरस्कार जीतने वाले पिछले खिलाड़ी मार्को वैन बास्टेन थे। नीदरलैंड के इस खिलाड़ी ने 1988 और 1989 में बेलोन डी'ओर को अपने नाम किया था। इस खिताब को लेकर मेस्सी और रोनाल्डो के दबदबे को इसी से समझा जा सकता है कि फ्रांस के महान जिनेदिन जिदान सिर्फ एक बार इसके विजेता बने।

बेन्सन और रीना ने कोच्चि स्पाइस कोस्ट मैराथन जीती

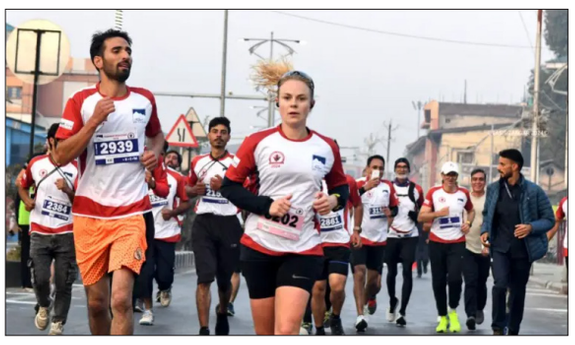

एजेंसी । कोच्चि

केरल के सीबी बेन्सन और रीना मनोहर ने रविवार को यहां कोच्चि स्पाइस कोस्ट मैराथन 2024 में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग का खिताब जीता। बेन्सन ने 42.2 किलोमीटर की दूरी तीन घंटे 42 सेकंड में तय की। पिछले दो अवसरों पर वह दूसरे स्थान पर रहे थे। जस्टिन (03:06:56) और श्रीनिधि श्रीकुमार (03:08:49) ने दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। महिलाओं में रीना ने 04:50:06 का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। मैरी जोशी (04:53:59) और निलीना बाबू (04:54:32) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रही। इस प्रतियोगिता के ब्रांड एंबेसडर सचिन तेंदुलकर हैं जो मैराथन के दौरान प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाने के लिए यहां उपस्थित थे।

चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान क्रिकेट में बड़ा फेरबदल

एजेंसी । नई दिल्ली

पाकिस्तान क्रिकेट से एक बड़ी खबर निकलकर सामने आई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने मोहम्मद रिजवान को पाकिस्तान टीम का कप्तान नियुक्त किया है। रिजवान टी20 और वनडे फॉर्मेट में पाकिस्तान टीम की कप्तानी करेंगे। 32 साल के रिजवान ऑस्ट्रेलिया दौरे के साथ अपनी कप्तानी पारी शुरू करेंगे। पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया टूर पर तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेगी। अगले साल होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी के मद्देनजर रिजवान को कप्तान बनाना पीसीबी का एक बड़ा फैसला है। उधर शान मसूद टेस्ट मैचों में पाकिस्तान के कप्तान बने रहेंगे।

कप्तान बने मोहम्मद रिजवान

सलमान बने उप-कप्तान

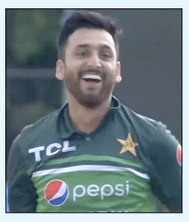

बता दें कि व्हाइट बॉल क्रिकेट में सलमान अली आगा को पाकिस्तान का उप-कप्तान बनाया गया है। पत्रकारों से बात करते हुए पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी ने कहा, 'हम उन्हें वह सभी सहायता देंगे जिसकी आवश्यकता है। हमें अपने युवा खिलाड़ियों का सपोर्ट करने की आवश्यकता है। हमें अपने घरेलू क्रिकेट ढांचे को भी मजबूत करने की आवश्यकता है।'

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान नकवी ने कहा कि बोर्ड की ओर से बाबर आजम को कप्तानी छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया था। यह बाबर का खुद का फैसला था और वह कप्तानी छोड़कर अपने खेल पर ध्यान देना चाहते थे। बता दें कि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले बाबर आजम ने घोषणा की थी कि वह व्हाइट बॉल क्रिकेट में टीम की कप्तानी छोड़ रहे हैं। मोहम्मद रिजवान ने पाकिस्तान के लिए 74 वनडे और 102 टी20 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 5401 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम

आमिर जमाल, अब्दुल्ला शफीक, अराफात मिन्हास, बाबर आजम, फैसल अकरम, हारिस रऊफ, हसीबुल्लाह (विकेटकीपर), कामरान गुलाम, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर/कप्तान), मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, सैम अयूब, सलमान अली आगा (उप-कप्तान), शाहीन शाह आफरीदी

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पाकिस्तान का कार्यक्रम

- **4 नवंबर :** पहला वनडे, मेलबर्न
- **8 नवंबर :** दूसरा वनडे, एडिलेड
- **10 नवंबर :** तीसरा वनडे, पर्थ
- **14 नवंबर :** पहला टी 20, ब्रिस्बेन
- **16 नवंबर :** दूसरा टी 20, सिडनी
- **18 नवंबर :** तीसरा टी 20, होबार्ट

सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ बनेगी जान्हवी कपूर की जोड़ी

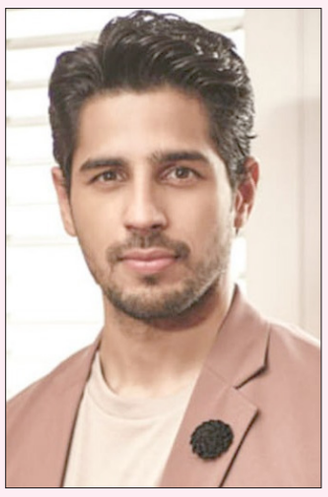

एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म में एक साथ नजर आने वाले हैं, हालांकि इससे पहले खबर थी कि दोनों एक्शन थ्रिलर फिल्म 'स्पाइडर' में साथ काम करेंगे, लेकिन बाद में दोनों रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बन गए। इस फिल्म का डायरेक्शन तुषार जलोटा कर रहे हैं। यह फिल्म दो अलग-अलग कल्चर के लोगों के बीच की लव स्टोरी दिखाएगी। ये पहली फिल्म होगी जब जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ साथ नजर आएंगे। साल 2022 में आई अभिषेक बच्चन की 'दसवीं' के डायरेक्शन को लेकर अपनी पहचान बनाने वाले तुषार एक अलग स्टोरी के साथ सामने आए हैं। इस फिल्म का टाइटल 'परम सुंदरी' होगा। बताया जा रहा है कि फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है और अगर सब प्लानिंग के हिसाब से चलता रहा को फिल्म की शूटिंग दिसंबर से शुरू हो जाएगी।

दिखेगा अलग-अलग कल्चर

सिद्धार्थ फिल्म में नॉर्थ इंडिया के लड़के और जान्हवी साउथ यानी केरल की लड़की की भूमिका में होंगी। इस फिल्म की कहानी दो अलग-अलग कल्चर वाले लोगों की लव स्टोरी पर बेस्ड होगी। इस फिल्म में दोनों की केमेस्ट्री देखना काफी मजेदार होने वाला है। बताया जा रहा है कि फिल्म का पहला शेड्यूल दिल्ली में शुरू होगा, उसके बाद आगे की शूटिंग केरल में होगी। बाकी शूटिंग मुंबई के स्टूडियो में होने वाली है। शूटिंग के लिए मुंबई में दो बड़े और शानदार सेट बनाने का काम होगा, जिसमें एक सेट दिल्ली के एक पॉश इलाके का बड़ा घर होगा, तो वहीं दूसरा केरल के पारम्परिक मिट्टी के घर के अंदर के हिस्से को दिखाएगा।

सहारनपुर में ढाबा चला रहा है बिग बॉस का ये विनर

इन दिनों टीवी पर 'बिग बॉस' का 18वां सीजन चल रहा है। सलमान खान इसे होस्ट कर रहे हैं। इस शो में शामिल तमाम कंटेस्टेंट अपने-अपने तरीके से इस गेम को खेल रहे हैं। सबके मन में सिर्फ एक ही चाहत है, इस शो का खिताब अपने नाम करना। अब इस सीजन को कौन जीतेगा अभी तो इस बारे में कुछ भी नहीं कहा जा सकता, लेकिन इस बीच हम आपको एक ऐसे 'बिग बॉस' विनर के बारे में बताने वाले हैं, जो अब शोबिज की दुनिया से दूर अपना ढाबा चलाता है। हम जिनकी बात कर रहे हैं उनका नाम है आशुतोष कौशिक। इन्होंने सिर्फ बिग बॉस ही नहीं बल्कि एमटीवी रोडिज का भी खिताब जीता था। साल 2007 में आशुतोष एमटीवी रोडिज के पांचवें सीजन में शामिल हुए थे। उस समय उनकी उम्र 25 साल थी। वो न सिर्फ शो का हिस्सा बने बल्कि शो में जीत भी दर्ज की। उसके अगले ही साल उन्हें 'बिग बॉस सीजन 2' का ऑफर मिला। वो इसमें शामिल हुए, यहां भी उन्होंने अपना जादू चलाया और विनिंग ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

शोबिज की दुनिया से क्यों हुए दूर?

उनके बारे में ऐसा कहा जाता है कि उनका अंदाज अनफिल्टर्ड था। यानी वो सीधी बात करते थे, जिस वजह से इन दोनों ही शोज में उन्हें लोगों ने पसंद किया। उसके बाद उन्होंने कुछ फिल्मों में भी काम किया, लेकिन आज वो शोबिज की दुनिया से दूर हैं। आशुतोश उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के रहने वाले हैं। अब वो सहारनपुर में ही अपना ढाबा चलाते हैं और उन्हें इसमें अच्छी सफलता मिली है। एक पुराने इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि वो पॉपुलैरिटी को संभाल नहीं पाए थे, इसलिए उन्होंने शोबिज की दुनिया को छोड़ने का फैसला किया।

आशुतोष एक्टर नील नितिन मुकेश और अमीषा पटेल के साथ साल 2013 में आई फिल्म 'शॉर्टकट रोमियो', अरशद वारसी के साथ 'जिला गाजियाबाद' और 'भड़ास' जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं। हालांकि, किसी भी फिल्म से उन्हें कोई खास सफलता हासिल नहीं हुई।

विद्या बालन ने किया माधुरी दीक्षित के साथ डांस

विद्या बालन को फिल्म 'भूल भुलैया 3' के गाने 'अमी जे तोमर 3.0' पर उनके मंत्रमुग्ध कर देने वाले डांस मूव्स के लिए प्रशंसा मिल रही है, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड की डांसिंग क्वीन माधुरी दीक्षित के साथ परफॉर्म किया है। इस गाने में विद्या और माधुरी के बीच एक शानदार फेस-ऑफ दिखाया गया है और यह डांस के शौकीनों के लिए एक विजुअल ट्रीट है।

विद्या बालन ने बताया कि जब निर्देशक अनीस बज्मी ने माधुरी दीक्षित के साथ डांस फेस-ऑफ का आइडिया दिया तो उनके दिमाग में क्या आया। जब मुझे एक फिल्म ऑफर की गई, तो मुझे पता था कि हम फिर से अमी जे तोमर करेंगे। इसलिए, अनीस भाई और भूषण भी सोच रहे थे कि इसे कैसे बड़ा बनाया जाए। फिर, ज़ाहिर है, जब माधुरी जी ने फिल्म के लिए हां कहा, तो उनके दिमाग में आया कि हम एक फेस-ऑफ क्यों न करें? विद्या ने आगे बताया कि फिर वह मेरे पास आए और कहा कि क्या तुम यह करोगी? मैं सोच रही थी, तुम किस बारे में बात कर रही हो? मैं उनके साथ फेस-ऑफ कैसे करूंगी? लेकिन फिर मैंने तय किया कि मैं यह करूंगी। इसलिए मैंने थोड़ी मेहनत की और मुझे बहुत मज़ा आया। क्योंकि यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। वह इसे लेकर बहुत प्यारी थीं। वह जानती थीं कि उनके सामने कोई भी नर्वस हो जाएगा।

मुझे लगता है कि मैंने उन्हें ज्यादा नहीं दिखाया कि मैं नर्वस हूं। लेकिन मैंने कड़ी मेहनत की और मुझे लगता है कि गाना बहुत अच्छी तरह से फ़िल्माया गया है। विद्या और माधुरी के डांस की समीक्षा करते हुए कार्तिक ने कहा कि मैं उनका प्रशंसक हूं। अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया होता, तो मैं उनके घर पहुंच जाता कि प्लीज ये फेस-ऑफ करो। क्योंकि मैं उनके डांस का प्रशंसक हूं। यह एक अवसर और एक आइकॉनिक लम्हा था। वाकई, जैसा कि आपने कहा, ऐसे मौके बार-बार नहीं आते। यह सिर्फ विद्या के अनुभव के लिए ही नहीं, बल्कि हमारे अनुभव के लिए भी बड़ी बात थी।

'सिंघम अगेन' से स्क्रीन को लेकर खींचतान के बीच 'भूल भुलैया 3' की एडवांस बुकिंग शुरू

1 नवंबर को सिनेमाघरों में दो फिल्में रिलीज होने वाली हैं। पहली है कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 3' और दूसरी है अजय देवगन की 'सिंघम अगेन'। ये इस साल का सबसे बड़ा क्लैश माना जा रहा है। रिलीज से पहले भी दोनों फिल्मों के मेकर्स के बीच क्लैश देखने को मिल रहा है। इसी बीच 'भूल भुलैया 3' की एडवांस बुकिंग चालू कर दी गई है। दरअसल, लंबे समय से ऐसी खबरें चल रही हैं कि दोनों फिल्मों के मेकर्स चाहते हैं उनकी फिल्म को ज्यादा स्क्रीन मिले। हालांकि, पीवीआर आईनॉक्स में 'सिंघम अगेन' को 60 प्रतिशत स्क्रीन मिलने की बात चल रही है। पीवीआर आईनॉक्स ही इस पिक्चर को डिस्ट्रीब्यूट कर रही है। इसके अलावा सिंगल स्क्रीन थिएटर्स में 'सिंघम अगेन' के मेकर्स ज्यादा शोज मांग रहे हैं।

पुणे छावनी विधानसभा सीट

कांग्रेस-बीजेपी में सीधी लड़ाई

विश्लेषण

अमित बृज

कौन किस पर पड़ेगा भारी?

महाराष्ट्र में चुनावी रणभूमि सज चुकी है। निर्वाचन आयोग ने भीष्म पितामह की तरह चुनाव के लिए शंखनाद कर दिया है। सभी दल 288 मोर्चों पर लड़े जाने वाले इस सियासी युद्ध में जीत दर्ज करने की जद्दोजहद में जुट गए हैं। किस मोर्चे पर कौन सा सेनापति विरोधी दल से लोहा लेगा उसको लेकर मंथन चल रहा है। महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच लड़े जाने वाले इस चुनावी महाभारत के लिए महाराष्ट्र की जनता भी पूरी तरह तैयार है। महाराष्ट्र की सियासत में पिछले पांच साल में जो कुछ भी घटित हुआ है उससे इस बात का अंदाजा लगाना बेहद ही मुश्किल है कि इस बार यहां ऊंट किस करवट बैठेगा। यही वजह है कि हम सीट वाइज एनालिसिस करके यह पता लगाने के प्रयास में हैं कि इस बार यहां किसका पलड़ा भारी रहने वाला है। ऐसे में हम एक-एक सीट का भूत, वर्तमान देखकर भविष्य जानने और आप तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। इस कड़ी में आज पुणे छावनी विधानसभा सीट का नंबर है। पुणे छावनी विधानसभा क्षेत्र पुणे जिले में स्थित है। यह पुणे लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है। भारतीय जनता पार्टी सुनील कांबले पुणे छावनी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के वर्तमान विधायक हैं। बीजेपी ने इस बार भी सुनील कांबले पर विश्वास जताते हुए यहां से टिकट दिया है।

क्या होगा इस बार का समीकरण?

पुणे छावनी विधानसभा सीट से महायुति में शामिल बीजेपी ने मौजूद विधायक सुनील कांबले पर भरोसा जताया है। वहीं विपक्षी गठबंधन ने अब तक यहां से प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है। कांग्रेस के वर्चस्व को देखते हुए यहां बीजेपी बनाम कांग्रेस में सीधा मुकाबला देखने को मिल सकता है।

पुणे छावनी का इतिहास

पुणे छावनी विधानसभा सीट पर अब तक कुल 13 विधानसभा चुनाव हुए है। जिसमें से सबसे ज्यादा 7 बार कांग्रेस ने जीत दर्ज की। वहीं 3 बार जनता पार्टी, 2 बार भाजपा और एक बार शिवसेना ने जीत हासिल की। 2009 तक यहां कांग्रेस और जनता पार्टी का दबदबा रहा। 2014 में पहली बार यहां से बीजेपी ने अपना खाता खोला। 2019 में भी उसने यह सीट रिटेन की।

पुणे छावनी विधानसभा सीट का जातीय समीकरण

पुणे छावनी विधानसभा सीट 1962 से अस्तित्व में है। यह सीट एससी कैटगरी के प्रत्याशी के लिए आरक्षित है। यहां एससी मतदाताओं की संख्या लगभग 55,759 है जो 19.73 फीसदी है। वहीं 20.7 फीसदी के आसपास मुस्लिम मतदाताओं की संख्या है।

पुणे छावनी सीट पर कब किसे मिले जीत?

1962	: कृष्णराव गिरमे, कांग्रेस
1967	: कृष्णराव गिरमे, कांग्रेस
1972	: शिवाजीराव ढेरे, कांग्रेस
1978	: विट्ठल तुपे, जनता पार्टी
1980	: विट्ठल तुपे, जनता पार्टी
1985	: विट्ठल तुपे, जनता पार्टी
1990	: चंद्रकांत शिवरकर, कांग्रेस
1995	: सूर्यकांत लोनकर, शिवसेना
1999	: चंद्रकांत शिवरकर, कांग्रेस
2004	: चंद्रकांत शिवरकर, कांग्रेस
2009	: रमेश बागवे, कांग्रेस
2014	: दिलीप कांबले, भाजपा
2019	: सुनील कांबले, भाजपा

चुनावी चकल्लस

» नीलम रामअवध

नासिक में NCP शरद गुट के उम्मीदवारों को मिलेगी चुनौती

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मुकाबलों का मैदान तैयार हो गया है। राज्य में महायुती और महाविकास आघाड़ी के बीच मुकाबला होगा। राष्ट्रवादी शरद पवार गुट ने 22 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की, जिसमें उत्तर महाराष्ट्र की येवला, दिंडोरी, सिन्नर, नाशिक पूर्व, बागलाण, अकोले और अहमद नगर शहर शामिल हैं। राष्ट्रवादी शरद पवार गुट के प्रदेशाध्यक्ष जयंत पाटील ने पत्रकार परिषद में उम्मीदवारों की घोषणा की। येवला विधानसभा में राष्ट्रवादी अजित पवार गुट के नेता और मंत्री छगन भुजबल के विरोध में शरद पवार गुट ने माणिकराव शिंदे को उम्मीदवारी दी है। ऐसे में सभी की नजर इस मुकाबले पर लगी रहेगी।

ढिकले के सामने गणेश गीते होंगे चुनौती

नासिक पूर्व निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के वर्तमान विधायक राहुल ढिकले के विरोध में शरद पवार गुट से एक मजबूत उम्मीदवार की तलाश की जा रही थी। अंत में मंत्री गिरीश महाजन के करीबी गणेश गीते ने आज शरद पवार गुट में प्रवेश किया और उन्हें उम्मीदवारी दी गई है। ऐसे में नाशिक पूर्व में राहुल ढिकले बनाम गणेश गीते के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा।

कोकाटे, झिरवल के मुकाबले में होंगे ये बड़े नेता

बागलाण विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से दीपिका चव्हाण को उम्मीदवारी दी गई है, जिनका मुकाबला भाजपा के वर्तमान विधायक दिलीप बोरसे से होगा। वहीं सिन्नर विधानसभा क्षेत्र में राष्ट्रवादी अजित पवार गुट के वर्तमान विधायक माणिकराव कोकाटे के विरोध में उदय सांगले को टिकट दिया गया है। उदय सांगले ने हाल ही में शरद पवार गुट में प्रवेश किया है। दिंडोरी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में नरहरी झिरवाल के विरोध में शरद पवार गुट से सुनिता चारोस्कर को उम्मीदवारी दी गई है। अकोले विधानसभा क्षेत्र से किरण लहामटे के विरोध में अमित भांगरे को टिकट दिया गया है। वहीं, अहमद नगर चुनाव क्षेत्र में संग्राम जगताप के विरोध में अभिषेक कलमकर को चुनाव में उतारा गया है।

चुनाव से पहले सपा में शामिल हुए पूर्व विधायक अकिल अख्तर

पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक अकिल अख्तर ने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया है। 28 अक्टूबर को वे पाकुड़ विधानसभा से सपा प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन दाखिल करेंगे। कोटालपोखर राजबाड़ी स्थित अपने आवासीय परिसर में उन्होंने पत्रकारों को ये जानकारी दी। अकिल अख्तर ने कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव-2024 के लिए नामांकन के बाद उनका लक्ष्य रहेगा पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र में जीत दर्ज करना। अगर वे यहां ये चुनाव में जीत दर्ज करते हैं तो पाकुड़ विधानसभा को मॉडल विधानसभा बनाएंगे।

विदर्भ में भाजपा के लिए तुरुप का पत्ता साबित हो सकते हैं बावनकुले

रणनीति

महाराष्ट्र का विधानसभा चुनाव इस बार पूरी तरह से जाति आधारित हो गया है। सभी दल अपने-अपने जातीय समीकरण दुरुस्त करने में लगे हैं। ऐसे में भाजपा ने भी अपनी 2019 की गलती सुधारते हुए तेली समाज के अपने प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को उन्हीं की पुरानी सीट कामठी से उम्मीदवार कर विदर्भ के कई जिलों में प्रभावी तेली समाज को खुश करने का काम किया है। बावनकुले की उम्मीदवारी का लाभ भाजपा को कई और सीटों पर भी मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

तीन बार विधानसभा चुनाव जीत चुके हैं बावनकुले

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले पहले भी कामठी से तीन बार विधानसभा चुनाव जीत चुके हैं। वह 2014 से 2019 तक फडणवीस सरकार में ऊर्जा एवं उत्पाद शुल्क मंत्री रहे थे। लेकिन 2019 में अज्ञात कारणों से उनका टिकट काट दिया गया। उनका टिकट कटने की नाराजगी उस समय पूरे विदर्भ के तेली समाज में देखी गई थी। हालांकि स्वयं बावनकुले ने उस समय कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की थी। लेकिन भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने उसी समय कामठी जाकर कहा था कि बावनकुले को पार्टी और बड़ा सम्मान देगी।

2014 में विदर्भ में भाजपा को जहां 62 में से 44 सीटें मिली थीं

फडणवीस का यह आश्वासन भी तब तेली समाज को खुश नहीं कर सका। 2014 में विदर्भ में भाजपा को जहां 62 में से 44 सीटें

मिली थीं, वहीं 2019 में सिर्फ 29 सीटें ही मिल सकीं। लेकिन फडणवीस अपनी बात पर खरे उतरे। कुछ समय बाद ही बावनकुले को विधान परिषद में तो भेजा ही गया, उन्हें भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष भी बना दिया गया। अब 2024 का विधानसभा चुनाव पार्टी उन्हीं की अध्यक्षता में लड़ रही है। वह पार्टी के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का एक बड़ा चेहरा बनकर उभरे हैं। पार्टी के नागपुर जिला कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल विदर्भ का जातीय गणित समझाते हुए कहते हैं कि यहां कुनबी समाज आमतौर पर कांग्रेस के साथ खड़ा दिखाई देता है। जबकि ओबीसी का दूसरा बड़ा समाज तेली वर्ग बावनकुले के कारण भाजपा के नजदीक आता है तो कामठी के अलावा पूर्वी विदर्भ की कई सीटों पर पार्टी को लाभ हो सकता है। नागपुर शहर में ही तीन लाख तेली हैं। यह समाज पिछले 70 वर्षों से पहले जनसंघ, और फिर भाजपा का साथ देता आ रहा है। वह कहते हैं कि तेली समाज चुपचाप वोटिंग करता है। वह पिछले कुछ वर्षों से नाराज था, लेकिन बावनकुले को उम्मीदवारी मिलने से इस बार वह फिर भाजपा के साथ आ गया है।

कांग्रेस ने सुरेश भोयर को इस बार कामठी से उम्मीदवार बनाया

दूसरी ओर जिस सुरेश भोयर को इस बार कामठी से उम्मीदवार बनाया है, उनके पिता यादवराव भोयर भी दो बार कामठी से ही विधायक रह चुके हैं। खुद सुरेश भोयर 2019 में इसी सीट से हार चुके हैं। कांग्रेस ने उन्हें दूसरी बार मौका दिया है। हालांकि कामठी शहर में मुस्लिमों की आबादी 50 प्रतिशत से अधिक है। इसका लाभ कांग्रेस उम्मीदवार को मिल सकता है। लेकिन नगर पालिका के सभासद रह चुके होटल व्यवसायी प्रमोद यादव कहते हैं कि बावनकुले का काम मुस्लिमों के बीच भी बहुत है। इसलिए उन्हें मुस्लिमों के भी वोट मिलेंगे।

कराड दक्षिण विधानसभा सीट

कांग्रेस के पृथ्वीराज चव्हाण विधायक क्या बदलेंगे सियासी समीकरण

» धीरज सिंह

महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है, जिसके तहत 20 नवंबर को पूरे प्रदेश में एक ही चरण में मतदान होगा तो वहीं 23 नवंबर को चुनाव के नतीजे भी आ जाएंगे। ऐसे में प्रदेश के सभी सक्रिय राजनीतिक दल चुनावी तैयारी में जुट गए हैं और जोर-आजमाइश करने लगे हैं। 23 नवंबर को यह स्पष्ट हो जाएगा की कराड दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की जनता ने इतिहास दोहराया है या फिर इतिहास बनाया है। कराड दक्षिण विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र सतारा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का एक हिस्सा है और महाराष्ट्र राज्य में सतारा जिले में स्थित है। पिछले 6 प्रमुख चुनावों में यहां कांग्रेस 3 बार आगे रही, एनसीपी 2 बार आगे रही और शिवसेना 1 बार आगे रही। फ़िलहाल इस सीट पर कांग्रेस पार्टी के चव्हाण पृथ्वीराज दाजीसाहेब विधायक है, जो यहां के कद्दावर नेता माने जाते है। लेकिन इस बार के विधानसभा चुनाव का परिदृश्य कुछ अलग माना जा रहा है। पिछले चुनाव की बात करें तो कराड दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में तीन दलों का समीकरण ज्यादा दिखाई दें रहा था, इसके बावजूद कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार चव्हाण पृथ्वीराज दाजीसाहेब बाजी मारने में कामयाब हुए। लेकिन इस बार वोटिंग का पैटर्न क्या होगा यह देखने लायक होगा। आइये आपको बताते हैं, कि पिछले तीन चुनाव में कराड दक्षिण विधानसभा सीट की क्या स्थितियां रही है। कराड दक्षिण विधानसभा चुनाव में हुए पिछले तीन चुनाव का इतिहास हमने आपको विस्तार से बताया और आपने जाना की यहां कौन कितने पानी में है, लेकिन इस बार राजनीतिक समीकरण कुछ अलग ही बनते दिखाई दे रहे है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शरद पवार तथा अजीत पवार गुट बनने के बाद यहां का सियासी समीकरण बड़ा रोचक हो गया है, अब यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि पिछली बार जहां कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार ने इस सीट को जीता था, तो वहीं इस बार जनता कौनसी पार्टी पर भरोसा जताती है या फिर चुनाव में कोई ट्विस्ट आता है। महाराष्ट्र का चुनाव बेहद रोचक होने वाला है, जिसमे कराड दक्षिण सीट पर भी सबकी नज़र होगी।

विधानसभा चुनाव 2019

उम्मीदवार	दल	#वोट	%वोट
चव्हाण पृथ्वीराज दाजीसाहेब	कांग्रेस	92296	43.9
डॉ. अतुलबाबा सुरेश भोसले	भाजपा	83166	39.6
एड. उदयसिंह वि. पाटिल	स्वतंत्र	29401	14.01
केशव रमेश मुले	मनसे	3185	3

2019 के विधानसभा चुनाव के अनुसार, कांग्रेस 9130 वोटों (4.3% वोट शेयर) से आगे चल रही थी।

2014 विधानसभा चुनाव परिणाम

उम्मीदवार	दल	#वोट	%वोट
चव्हाण पृथ्वीराज दाजीसाहेब	कांग्रेस	76831	37.96
विलासराव पाटिल (काका)	स्वतंत्र	60413	29.85
अतुल सुरेश भोसले	भाजपा	58621	28.97
डॉ. अजिंक्य पाटिल	एसएचएस	2373	1.18

2014 के विधानसभा चुनाव के अनुसार, कांग्रेस 16418 वोटों (8.1% वोट शेयर) से आगे थी।

2009 विधानसभा चुनाव परिणाम

उम्मीदवार	दल	#वोट	%वोट
विलासराव पाटिल (काका)	कांग्रेस	82857	49.36
पाटिल विलासराव गोविंद	स्वतंत्र	67944	40.47
भरत बाबूराव पाटिल	भाजपा	9784	5.83
मोहते राजेंद्र प्रतापराव	एसबीपी	1950	1.17
थोरावडे आनंद रमेश	बसपा	1775	1.06

2009 के विधानसभा चुनाव के अनुसार, कांग्रेस 14913 वोटों (8.9% वोट शेयर) से आगे थी।